जुलाई 2026

₹ 20

समाजवादी बुलेटिन

R.N.I. No. 68832/97

सामाजिक न्याय की स्थापना के लिए यह जरूरी है कि शिक्षा व्यवस्था में अमीर-गरीब का भेद न हो। पिछड़े, दलित और अल्पसंख्यक वर्ग के सभी बच्चों को उचित शिक्षा मिलनी ही चाहिए। शिक्षा व्यवस्था ऐसी होनी चाहिए कि डिग्री मिलते ही नौकरी भी मिल जाए।

मुलायम सिंह यादव

संस्थापक, समाजवादी पार्टी

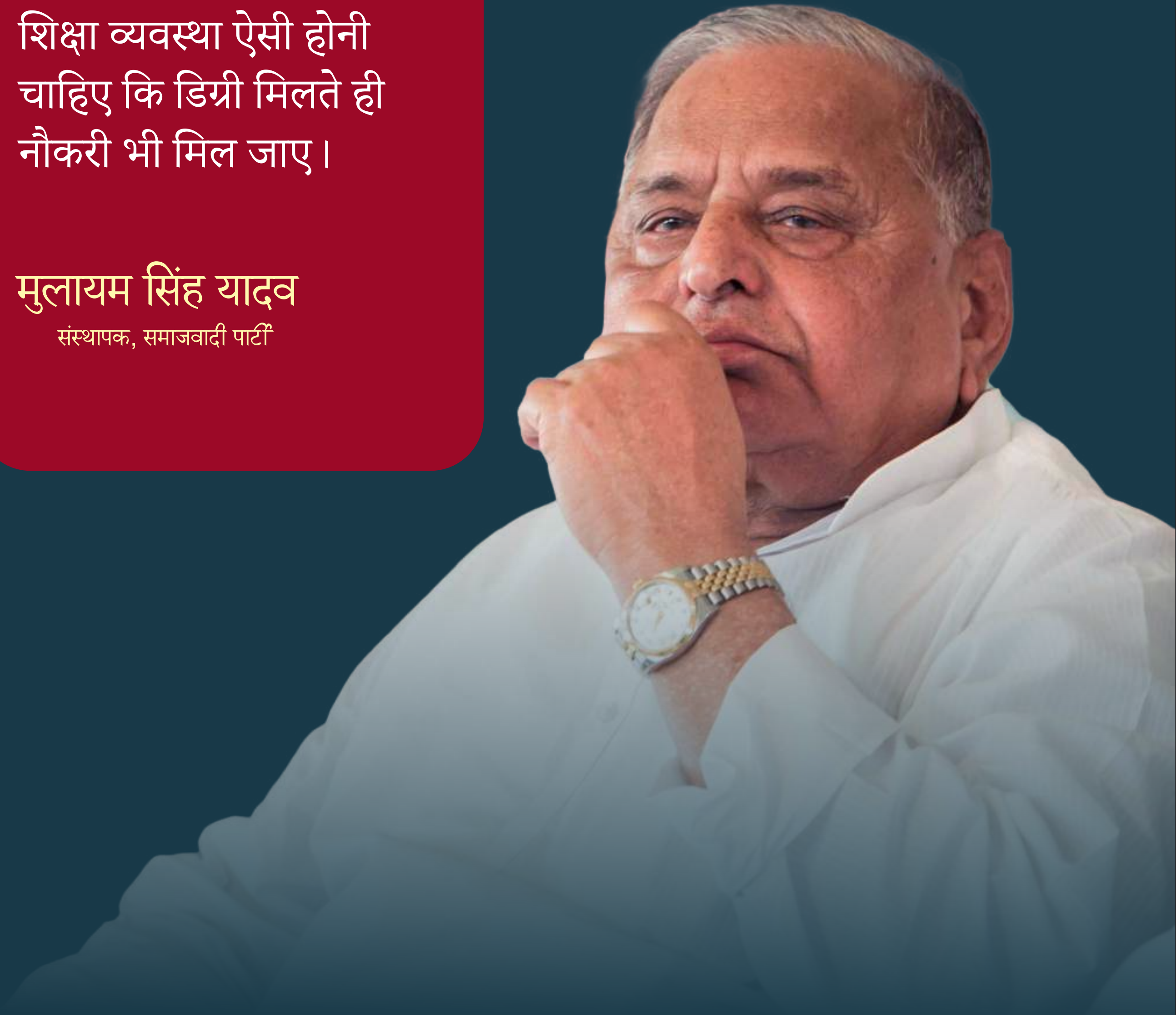

समाजवादी बुलेटिन

जुलाई 2026

वर्ष 27 | संख्या 09

PDA काव्य विचार

घर घर की है शान साइकिल
हम सब की पहचान साइकिल।
चलती है बहुत शान से,
हम सब की है जान साइकिल।
जहां भी चाहो इसे चलाओ
करती नहीं परेशान साइकिल।
रोड टैक्स और टोल टैक्स नही देना है
हर टेंशन से देती है आराम साइकिल॥

बद्री प्रसाद वर्मा अनजान
गोरखपुर

प्रिय पाठकों,

PDA काव्य विचार के लिए आपकी स्वरचित लघु कविता का स्वागत है। केवल उन्हीं लघु कविताओं पर विचार किया जाएगा जो PDA केन्द्रित, सुस्पष्ट, मौलिक, न्यूनतम 4 से 6 लाइनों में टाइपशुदा होंगी। अपनी लघु कविता ईमेल teamsbeditorial@gmail.com पर अपने नाम और पते के साथ भेजें।

प्रकाशक, मुद्रक एवं संपादक

प्रोफेसर रामगोपाल यादव

☎ 0522 - 2235454

samajwadibulletin19@gmail.com

bulletinsamajwadi@gmail.com

Mob:- 9598909095

/samajwadiparty

समाजवादी पार्टी के लिए

19, विक्रमादित्य मार्ग, लखनऊ से प्रकाशित

अवध पब्लिशिंग हाउस, 8 पान दरीबा, लखनऊ से मुद्रित

R.N.I. No. 68832/97

अंदर

युवाओं के आंदोलन को अखिलेश-डिंपल का समर्थन 04

06 कवर स्टोरी

भाजपा सरकार आरक्षण पर वार

भाजपा राज में अयोध्या की मर्यादा तार-तार 22

अयोध्या में श्री राम मंदिर में चंदा/चढ़ावा चोरी की पोल खुलने के बाद गांव-गांव भाजपा की थू-थू हो रही है। जनता, चढ़ावा चोरी से दुखी, मर्माहत है। आस्था, श्रद्धा के साथ हुए खिलवाड़ के अति गंभीर मामले में भी भाजपा सरकार की लीपापोती ने जनता का गुस्सा बढ़ा दिया है। भाजपा को सत्ता से बेदखल करने का जनता इंतजार कर रही है।

जन्मदिन पर संकल्प: अखिलेश ही विकल्प 32

पूर्वांचल दौरे का संदेश, आ रहे हैं अखिलेश 36

फोटो स्रोत : गूगल

युवाओं के आंदोलन को अखिलेश-डिंपल का समर्थन

बुलेटिन ब्यूरो

नीट पेपर लीक मामले में एक्शन और शिक्षा मंत्री धर्मेन्द्र प्रधान के इस्तीफे की मांग व युवाओं के भविष्य के लिए शिक्षा प्रणाली में सुधार की मांग को लेकर नई दिल्ली में जंतर मंतर पर भूख हड़ताल कर रहे सामाजिक कार्यकर्ता व शिक्षाविद सोनम वांगचुक को समाजवादी पार्टी ने खुला समर्थन दिया है।

समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री अखिलेश यादव ने युवाओं की आवाज बुलंद कर रहे श्री वांगचुक से भूख हड़ताल खत्म करने की अपील की है तो मैनपुरी की सांसद श्रीमती डिंपल यादव ने सांसदों व विधायकों के प्रतिनिधिमंडल के साथ जंतर मंतर पहुंचकर श्री वांगचुक से मुलाकात की। उन्हें समर्थन दिया और स्वास्थ्य की जानकारी ली। श्रीमती यादव ने युवाओं से अपील की है कि वे 20 जुलाई को संसद मार्च में बड़ी संख्या में शामिल हों। इस अवसर पर कॉकरोच जनता पार्टी के प्रदर्शन को समर्थन देने की भी उन्होंने घोषणा की।

16 जुलाई को सोनम वांगचुक की भूख हड़ताल के 19वें दिन सपा सांसद श्रीमती डिंपल यादव के नेतृत्व में सांसद धर्मेंद्र यादव, मोहिब्बुल्लाह नदवी, लक्ष्मीकांत निषाद, नरेश उत्तम और विधायक डॉ. रागिनी सोनकर आदि तमाम नेताओं ने जंतर मंतर पहुंचकर अपना समर्थन दिया। उन्होंने श्री सोनम वांगचुक का हालचाल जाना। उनके गिरते स्वास्थ्य पर चिंता जाहिर की और भूख हड़ताल कर रहे सोनम को लेकर बेपरवाह भाजपा की तीखी आलोचना की।

श्रीमती डिंपल यादव ने कहा कि सोनम वांगचुक का संघर्ष पूरे देश के युवाओं की आवाज बन चुका है। श्रीमती डिंपल यादव ने छात्रों से कहा कि वे खुद को अकेला न समझें क्योंकि समाजवादी पार्टी और श्री अखिलेश यादव उनके साथ मजबूती से खड़े हैं।

उन्होंने देशभर के छात्रों, युवाओं और विपक्षी दलों से 20 जुलाई को प्रस्तावित संसद मार्च में शामिल होने की अपील भी की।

उन्होंने कहा कि वह खुद एक मां हैं, अखिलेश जी पिता हैं। हम बच्चों का दर्द बखूबी समझते हैं। वह छात्रों का दर्द समझ सकती हैं। उन्होंने कहा कि भाजपा सरकार ने देश को पीछे धकेलने का काम किया है। युवाओं के भविष्य के साथ खिलवाड़ किया है।

उन्होंने कहा कि युवाओं के समर्थन में पूरा देश खड़ा है।

इससे पहले समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय

अध्यक्ष श्री अखिलेश यादव ने सोनम वांगचुक से फोन पर बात करके उनके स्वास्थ्य के बारे में जानकारी ली और उनसे अनशन तोड़ने की अपील की। श्री यादव ने वांगचुक के सत्याग्रह को खुला समर्थन दिया।

श्री यादव ने सोशल मीडिया पर अपने संदेश में सोनम वांगचुक जी से आग्रह किया कि वह 'नकारात्मक, भ्रष्ट, बेईमान, लोकतंत्र विरोधी सांप्रदायिक भाजपा' के विरुद्ध हो रहे आंदोलनों को पूरे देश में विस्तारित कर जन-एकजुटता की अखंड कड़ी बनें।

श्री अखिलेश यादव ने कहा कि जिस भाजपा सरकार को जगाने के लिए वांगचुक आमरण अनशन पर हैं वह तो एक सिद्धांतहीन, भ्रष्ट तंत्र है, उसकी असंवेदनशीलता और हृदयहीनता में किसी के भी त्याग का कोई महत्व नहीं है। भाजपाइयों के लिए किसी के जीवन का कोई भी मोल नहीं है। उनके लिए धन ही प्रधान है।

'सत्याग्रह' का महत्व वो क्या जानें जो 'सत्ताग्रह' के लालच में मंदिर तक लूट ले रहे हैं। उन्हें न युवाओं के भविष्य से कुछ लेना-देना है, न उनके माता-पिता और अन्य परिवारीजनों के सपनों से, वे तो ख़ुदगर्ज़ लोग हैं।

सोनम वांगचुक के खिलाफ पुलिसिया कार्रवाई की सपा ने कड़ी निंदा की

बुलेटिन ब्यूरो

फोटो स्रोत : गूगल

शिक्षाविद व सामाजिक कार्यकर्ता सोनम वांगचुक को 18 जुलाई को दिल्ली पुलिस द्वारा जबरदस्ती जंतर मंतर के अनशन स्थल से उठाकर अस्पताल में भर्ती करवाने की अलोकतांत्रिक कार्रवाई की समाजवादी पार्टी ने कड़ी निंदा की है।

समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री अखिलेश यादव ने तीखी प्रतिक्रिया व्यक्त करते हुए कहा है कि सामाजिक कार्यकर्ता श्री सोनम वांगचुक जी को 'बल-प्रयोग' करके, ज़बरदस्ती उनके आमरण अनशन स्थल से उठाकर ले जाना अत्यंत निंदनीय है। इस घटना से श्री सोनम वांगचुक जी को लेकर गहरी चिंता है और भाजपा सरकार के ख़िलाफ़ आक्रोश है।

श्री यादव ने मांग की कि श्री सोनम वांगचुक जी की चिकित्सा 'न्यायिक निगरानी' में हो क्योंकि उनका जीवन मानवता, पर्यावरण संरक्षण, लोकतांत्रिक मूल्यों, युवा ऊर्जा की प्रेरणा, साइंस और इनोवेशन के लिए अनमोल है।उन्होंने कहा कि देश की जनता व समस्त विश्व इस समय भाजपा सरकार को संदेह और सवाल भरी संदिग्ध नज़र से देख रहा है। दमनकारी राजनीति करनेवाली भाजपा सरकार की इस अवांछनीय कार्रवाई ने अंतरराष्ट्रीय स्तर पर हमारे देश की मानवीय और डेमोक्रेटिक इमेज को बेहद धूमिल और खंडित करने का काम किया है।

एक बार फिर साबित हो गया है कि भाजपा ने न कभी गांधी जी में विश्वास किया, न कभी उनके गांधीवादी तौर-तरीक़ों में। भाजपा की नकारात्मक विचारधारा ही 'विवाद' की है।

वहीं मैनपुरी की सांसद श्रीमती डिंपल यादव ने भी सोनम वांगचुक को जबरदस्ती उठाए जाने पर भाजपा सरकार की कड़ी आलोचना की। उन्होंने कहा कि बीजेपी वाले देश के लिए सफेद चादर का कफ़न लेकर आए हैं।

जब शांतिपूर्ण आवाज़ों को दबाया जाता है, तो संविधान और लोकतंत्र भी आहत होते हैं। सोनम वांगचुक जैसे लोगों की आवाज़ दबाना, देश की आत्मा को दबाना है।

उन्होंने कहा कि सोनम वांगचुक जी को जबरिया हटाना सिर्फ एक कार्रवाई नहीं बल्कि लोकतंत्र और संविधान को कुचलना है। भाजपा सरकार को अब शांतिपूर्ण विरोध भी बर्दाश्त नहीं हो रहा है। यह तानाशाही है।

भाजपा सरकार आरक्षण पर वार

बुलेटिन ब्यूरो

आरक्षण को लेकर भाजपा की नीति और नीयत अब बिल्कुल साफ हो गई है कि वह चुपके से संविधान प्रदत्त आरक्षण को खत्म करने की जुगत में है। समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री अखिलेश यादव अगर सजग और सतर्क न रहें तो भाजपा अब तक आरक्षण को खत्म करने की अपनी पुरानी मंशा को अमली जामा पहना चुकी होती।

यह जग जाहिर है कि आरएसएस हमेशा से ही पिछड़ों, दलितों को मिलने वाले आरक्षण का विरोध करती रही है। अब जबकि भाजपा सत्ता में है तो वह अपना एजेंडा लागू करवाने का रास्ता तलाश रही है।

भाजपा ने शुरुआता संस्थाओं के निजीकरण से की ताकि सरकारी नियंत्रण हटने के बहाने उन संस्थाओं से आरक्षण की व्यवस्था को हटाने में उसपर कोई सवाल न उठा सके और संविधान से मिलने वाला पीडीए का हक भी समाप्त हो जाए।

यूपी में तो भाजपा ने आरक्षण खत्म करने के लिए और भी रास्ते तलाश लिए और चुपके से नौकरियों में आरक्षण की कटौती करनी शुरू कर दी। करीब 22 भर्तियों में भाजपा सरकार ने पीडीए के आरक्षण के हक को मारा।

PDA के अधिकार-सम्मान के लिए लड़ रहे श्री अखिलेश यादव ने आरक्षण की लूट का खुलासा करने के लिए बाकायदा समाजवादी ऑडिट कराया तो सभी भर्तियों में लूट की परतें खुलती चली गईं। उन्होंने समाजवादी ऑडिट को सार्वजनिक कर भाजपा की नीति और नीयत की पोल खोल दी है। पीडीए

आरक्षण

फाइल फोटो

समाज भी आरक्षण की इस लूट से वाकिफ हो गया है।

PDA समाज यह भी जान चुका है कि समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री अखिलेश यादव मुखर हैं और भाजपा की मंशा को किसी भी सूरत में पूरा नहीं होने देने पर डटे हैं। PDA समाज के बीच यह संदेश तथ्य के साथ पहुंच चुका है कि भाजपा सरकार ने अकेले उत्तर प्रदेश में किस तरह भर्तियों में आरक्षण की लूट की।

PDA समाज को समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री अखिलेश यादव ने बता दिया है कि 69 हजार शिक्षक भर्ती 2019 में आबीसी को 27 फीसदी की जगह 3.8 फीसदी, एससी को 21 फीसदी की जगह 16.2 फीसदी और एसटी को 2 फीसदी की जगह शून्य आरक्षण दिया गया। पीडीए आडिट अंक-1 में साफतौर पर यह सामने आ चुका है कि भाजपा सरकार ने आरक्षित सीटों की लूट की है जो कि उसकी नीति और नीयत को दर्शाता है।

इस खुलासे के बाद अब साफ हो चुका है कि आगे भी भाजपा P D A समाज को संविधान से मिल रहे आरक्षण को खत्म करने में कोई कोर कसर नहीं छोड़ेगी।

वैसे, यूपी में PDA समाज के सामने भाजपा बेपर्दा हो चुकी है। नौकरशाही में भी PDA समाज के लोगों के साथ भेदभाव हो रहा है और अब तो जाति जानकर ट्रांसफर पोस्टिंग की जा रही है। एक जाति का वर्चस्व हो चुका है। पीडीए समाज पर जुल्म की इंतहा हो गई है और अब नौकरियों में भी पीडीए समाज को न आने देने की साजिशें तेज हो गई हैं।

दरअसल श्री अखिलेश यादव ने पीडीए समाज को जिस तरह जागरुक कर दिया है, उससे भाजपा सरकार घबड़ा गई है। वह

मान चुकी है कि अब उसकी विदाई में कोई संशय नहीं है इसलिए उसने साजिशें और तेज कर दी हैं। भाजपा की राह में सबसे बड़ी बाधा श्री अखिलेश यादव हैं।

वह जानती है कि श्री अखिलेश यादव जब तक डटकर खड़े रहेंगे, वह आरक्षण को पूरी तरह खत्म करने की भाजपा की साजिश को कामयाब नहीं होने देंगे। 2024 के लोकसभा चुनाव में PDA समाज को अपनी ताकत का भरपूर अंदाजा हो गया और वह अब और मजबूती से एकजुट हो चुका है। उसे पता है कि पूर्व की समाजवादी सरकारों में PDA के अधिकारों, सम्मान, शिक्षा व नौकरी के लिए बहुतेरे काम हुए हैं और 2027 में समाजवादी सरकार बनने पर आरक्षण पर मंडरा रहा भाजपाई खतरा खत्म हो जाएगा।

PDA समाज ने पूरी तरह श्री अखिलेश यादव की सरकार बनवाने की ठान ली है। पूरे उत्तर प्रदेश में पिछड़ा, दलित और अल्पसंख्यकों के अलावा सत्य के हिमायती, सामाजिक न्याय के पैरोकार व संविधान में विश्वास रखने वाले अगड़े भी ठान चुके हैं कि उत्तर प्रदेश में बदलाव जरूरी है ताकि पिछड़ों, दलितों की हकतलफी न हो सके।

उत्तर प्रदेश का माहौल बता रहा है कि यूपी में 2027 में श्री अखिलेश यादव नई रोशनी लेकर आ रहे हैं जिसमें पीडीए को न्याय, सम्मान और अधिकार तो मिलेगा ही समाज के सभी तबकों के साथ इंसाफ होगा। जैसा कि 2012 से 2017 तक चली श्री अखिलेश यादव सरकार में हुआ था। माहौल बता रहा है कि 2027 में बनने जा रही अखिलेश यादव सरकार में यही सेवाएं फिर और बेहतर रूप में दिखने वाली है।

यूपी भर्ती में PDA आरक्षण घोटाला

S.N	वर्ष	भर्ती	पदों की लूट
1	2019	69 हज़ार शिक्षक भर्ती (69,000 Teacher Recruitment)	7933+
2	2019	वन और वन्य जीव रक्षक भर्ती (Forest/Wildlife Guard Recruitment)	88
3	2021	बाँदा एग्रीकल्चर यूनिवर्सिटी भर्ती (Banda Ag. University Recruitment)	5
4	2021-22	एडेड जूनियर हाई स्कूल मास्टर/हेडमास्टर भर्ती (Aided Junior High School Master/Headmaster Recruitment)	547
5	2023	ग्राम पंचायत अधिकारी भर्ती (Gram Panchayat Officer Recruitment)	232
6	2023	नेत्र परीक्षण अधिकारी भर्ती (Eye Testing Officer Recruitment)	47
7	2023	UPSSSC कनिष्ठ सहायक, कनिष्ठ लिपिक एवं सहायक स्तर-III भर्ती	300
8	2023	प्रवर्तन कांस्टेबल भर्ती (Enforcement Constable Recruitment)	34
9	2024	लखीमपुर कोऑपरेटिव बैंक भर्ती (Lakhimpur Co-op. Bank Recruitment)	8
10	2024	UPSSSC आशुलिपिक भर्ती (Stenographer Recruitment)	37

11	2024	UPSSSC कृषि प्राविधिक सहायक भर्ती (AGTA Recruitment)	434
12	2025	लेखपाल भर्ती (Lekhpal Recruitment)	960
13	2025	पशु चिकित्सक भर्ती (Veterinary Officer Recruitment)	81
14	2025	स्वास्थ्य शिक्षा अधिकारी भर्ती (Health Education Officer Recruitment)	55
15	2025	चिकित्सा अधिकारी (आयुर्वेद) (Medical Officer Ayurveda)	54
16	2025	चिकित्सा अधिकारी (होम्योपैथिक) (Medical Officer Homoeopathic)	2
17	2026	UPSSSC अमीन / नीलामकर्ता भर्ती (Amin / Auctioneer Recruitment)	19
18	2026	UPSSSC लिपिक सह टंकक भर्ती (Clerk-cum-Typist Recruitment)	9
19	2026	UPSSSC सहायक कोषागार लेखाकार भर्ती (Assistant Treasury Accountant Recruitment)	58
20	2026	UPSSSC अधिशासी अधिकारी भर्ती (Executive Officer Recruitment)	13
21	2026	UPSSSC सहायक चकबंदी अधिकारी भर्ती (Assistant Consolidation Officer Recruitment)	10
22	2026	UPSSSC कृषि प्राविधिक सहायक भर्ती (AGTA Recruitment)	588
		कुल PDA पदों की लूट (Total)	11514+

नौकरियों में आरक्षण की लूट पर भाजपा मौन

बुलेटिन ब्यूरो

उत्तर प्रदेश की भाजपा सरकार नौकरियों में संगठित रूप से घोटाला कर रही है। बाबा साहब डॉ. भीमराव अंबेडकर द्वारा बनाए गए संविधान के अनुसार हक और सम्मान नहीं दे रही है।

भाजपा सरकार ने 22 भर्ती परीक्षाओं में मनमाने तरीके से आरक्षण की लूट की है। 69 हजार शिक्षक भर्ती 2019 में आबीसी को 27 फीसदी की जगह 3.8 फीसदी, एससी को 21 फीसदी की जगह 16.2 फीसदी और एसटी को 2 फीसदी की जगह शून्य आरक्षण मिला है।

समाजवादी पार्टी ने पीडीए आडिट अंक-1 पीडीए आरक्षण घोटाला बुकलेट में 22 भर्ती परीक्षाओं में आरक्षित सीटों की लूट का आंकड़ा जारी किया लेकिन भाजपा सरकार ने कोई जवाब नहीं दिया। मुख्यमंत्री के जिले में सैकड़ों प्राइमरी स्कूल बंद हो गए हैं। उसका भी कोई जवाब नहीं है।

समाजवादी पार्टी ने अयोध्या में हो रहे भ्रष्टाचार और गोरखधंधा की रिपोर्ट जारी की थी लेकिन भाजपा ने एक का भी जवाब नहीं दिया।

दरअसल भाजपा ने नौजवानों को धोखा दिया। झूठा वायदा किया। भाजपा सरकार में लगातार पेपर लीक हो रहे हैं। 2017 में दरोगा भर्ती परीक्षा, जूनियर इंजीनियरिंग भर्ती यूपीपीसीएल 2018, ग्राम विकास पंचायत भर्ती 2018, नलकूप चालक भर्ती 2018, यूपी टीईटी परीक्षा 2021, दो बार यूपीपीएससी, हाई स्कूल बोर्ड परीक्षा, इंटरमीडिएट बोर्ड परीक्षा 2020, 2022, 2025, सिपाही भर्ती, आरओ, एआरओ, यूजीसी नेट 2024, एसएसएसी जीडी 2026, लेखपाल भर्ती 2026 की परीक्षाएं लीक हो चुकी हैं। दरोगा भर्ती परीक्षा 6 साल तक लटकी रही। परिणाम हाई कोर्ट से रद्द हुआ।

इस पृष्ठभूमि में सपा मुखिया श्री अखिलेश यादव ने कहा है कि नौजवानों को भर्तियों की उम्र सीमा में राहत मिलनी चाहिए। समाजवादी सरकार आने पर पेपर लीक और अन्य वजहों से जिन युवाओं की उम्र सीमा निकल गई है, उन्हें तीन वर्षों की अतिरिक्त छूट दी जाएगी। भाजपा सरकार नौजवानों छात्रों के भविष्य के साथ खिलवाड़ कर रही है। यह बंद होना चाहिए।

श्री अखिलेश यादव ने कहा कि जो नेशन फर्स्ट की बात करते थे उनके लिए डोनेशन फर्स्ट है। इनकी निगाहें नेशन पर नहीं डोनेशन पर है। अयोध्या प्रभु श्रीराम के मंदिर में चढ़ावा चोरी की घटना बेहद चिंता जनक है। चढ़ावा चोरी और चंदा चोरी की घटना लागों की आस्था के साथ खिलवाड़ है। डोनेशन के तार सीधा कर्नाटक और महाराष्ट्र से जुड़े हैं। जो ठेके पर नकली वोटर भेजते थे, उनका भंडा फूट गया। अब वे यूपी में नहीं घुस पाएंगे। अयोध्या ही नहीं पूरे यूपी में जनता आक्रोशित हैं। जनता राम धन का हिसाब मांग रही है।

लखनऊ में कोचिंग अग्निकांड की घटना पर श्री अखिलेश यादव ने कहा कि अगर सुरक्षा के पर्याप्त इंतजाम होते तो इतने बच्चों की जान नहीं जाती। अगर सरकार से कोई सवाल करता है तो उसको सरकारी संस्थाओं से परेशान किया जाता है।

श्री अखिलेश यादव ने कहा कि समाजवादी पार्टी सबको साथ लेकर सरकार बनाकर सामाजिक न्याय के राज की स्थापना करेगी। भाजपा ने पीडीए समाज को धोखा दिया है। पीडीए समाजवादी पार्टी के साथ है। उन्होंने कहा कि भाजपा सभी को धोखा दे रही है। भाजपा के शब्दकोष में न धर्म बचा है और न शर्म बची है। इनकी प्राथमिकता धर्म नहीं धन है। भाजपा चतुराई और चालबाजी करती है।

श्री अखिलेश यादव ने कहा कि भाजपा सरकार में महिलाओ-बेटियों के साथ घटनाएं लगातार बढ़ती जा रही है। कानून व्यवस्था ध्वस्त है। भ्रष्टाचार चरम पर है। थाना, तहसील से लेकर हर स्थान पर जनता को भ्रष्टाचार से सामना करना पड़ रहा है। भाजपा सरकार में बढ़ती महंगाई, बेरोजगारी, भ्रष्टाचार, आरक्षण की लूट, रामनगरी में हुए गोरखधंधा का कोई जवाब नहीं है। भाजपा सरकार हर मोर्चे पर फेल है। भाजपा सरकार में अपराध बढ़ता जा रहा है क्योंकि भाजपा पुलिस से राजनैतिक काम ले रही हैं। भाजपा के मुख्यमंत्री ने अपने ऊपर लगे मुकदमों को वापस लिया, साथ में डिप्टी सीएम के ऊपर लगे मुकदमों को भी वापस लिया है। सभी लोग जानते हैं ये मुकदमें गंभीर धाराओं के थे।

श्री यादव ने कहा कि समय-समय पर हाईकोर्ट और सुप्रीमकोर्ट ने इस सरकार के काम करने के तरीके पर लताड़ा है। भाजपा सरकार में किसी को न्याय नहीं मिल रहा था। यूपी में कई फर्जी एनकाउंटर हुए हैं, जिन पर सवाल खड़े हुए। फर्जी एनकाउंटर को लेकर पुलिस के पास जवाब नहीं है। फर्जी एनकाउंटर में जब पुलिस फंसती है तो भाजपा के लोग साथ नहीं खड़े होते हैं। भाजपा किसी की सगी नहीं है। श्री अखिलेश यादव ने कहा कि इंडिया गठबंधन मजबूत है, इसे और मजबूत किया जाएगा।

समाजवादी सरकार में बेहतर शिक्षा, नौकरी का खाका तैयार

बुलेटिन ब्यूरो

जनता की उम्मीदों पर मजबूती के साथ खरा उतरने के लिए समाजवादी पार्टी ने अभी से तैयारियां तेज कर दी हैं। बेहतर शिक्षा व्यवस्था, नौकरियों में पीडीए के आरक्षण को बरकरार रखने और बेरोजगारी जैसे मुद्दों से निपटने के लिए अभी से तैयारी शुरू कर दी गई है। समाजवादी पार्टी ने मुकम्मल खाका तैयार किया है ताकि 2027 में सरकार बनते ही उसपर अमल करने में देर न हो।

समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री अखिलेश यादव ने फैसला कर लिया है कि समाजवादी सरकार में भर्ती परीक्षाओं का एक कैलेंडर होगा, हर विभाग की भर्ती परीक्षाओं का कलेंडर जारी किया जाएगा। नोटिफिकेशन, परीक्षा और नियुक्ति की समय सीमा पहले से तय होगी जिससे भर्तियां वर्षों तक लटकी न रहें। छात्रों को अपने जिले या नज़दीकी परीक्षा केंद्र देने की व्यवस्था होगी।

महिला अभ्यर्थियों या दिव्यांग को गृह जिले में परीक्षा केन्द्र की प्राथमिकता मिलेगी। परीक्षा प्रणाली सुरक्षित बनाई जाएगी। प्रिन्टिंग, ट्रांसपोर्ट स्ट्रांग रूम परीक्षा केन्द्र तक पूरी प्रक्रिया सीसी टीवी और डिजिटल ट्रैकिंग में रहेगी। पेपर लीक के दोषियों पर सीधी कार्रवाई, समयबद्ध जांच और फास्ट ट्रैक कोर्ट से सजा।

अगर सरकारी कारण से परीक्षा लीक हुई तो दोबारा परीक्षा फीस नहीं और एडमिट कार्ड से मुफ्त यात्रा की व्यवस्था होगी।

श्री अखिलेश यादव ने 2012 से 2017 की सपा सरकार में शिक्षा के लिए बेहतरीन काम किए।

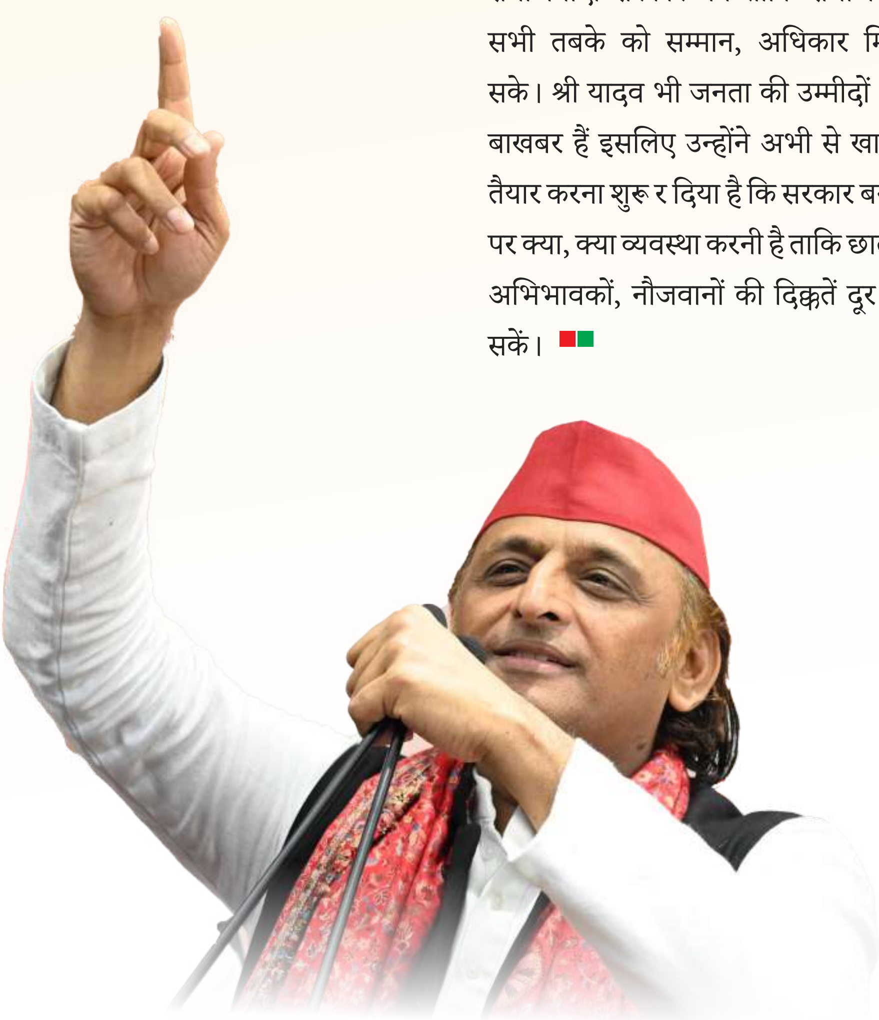

समाजवादी सरकारों में कन्याधन योजना काफी लोकप्रिय रही। श्री अखिलेश यादव ने छात्रों को तकनीकी तौर पर सुदृढ़ करने के लिए लैपटाप बांटे जिससे छात्रों को काफी फायदा हुआ था।

यही वजह है कि समाज को श्री यादव से बहुत उम्मीदें हैं। वह चाहती है कि 2027 में समाजवादी सरकार बने ताकि समाज के सभी तबके को सम्मान, अधिकार मिल सके। श्री यादव भी जनता की उम्मीदों से बाखबर हैं इसलिए उन्होंने अभी से खाका तैयार करना शुरू र दिया है कि सरकार बनने पर क्या, क्या व्यवस्था करनी है ताकि छात्रों, अभिभावकों, नौजवानों की दिक्कतें दूर हो सकें।

सम्मान और समान अवसर की गारंटी है आरक्षण

प्रेम कुमार
वरिष्ठ पत्रकार

भारतीय संविधान ने आरक्षण को किसी राजनीतिक दल की कृपा नहीं बल्कि सामाजिक न्याय का संवैधानिक औजार बनाया। सदियों तक सामाजिक, शैक्षणिक और आर्थिक रूप से वंचित रहे समुदायों को बराबरी का अवसर मिले, इसी उद्देश्य से पिछड़े वर्ग, अनुसूचित जाति और अनुसूचित जनजाति के लिए आरक्षण की व्यवस्था की गई।

इसलिए आरक्षण का अर्थ केवल सरकारी नौकरी में कुछ सीटें सुरक्षित करना नहीं है। यह भारतीय लोकतंत्र की उस बुनियादी प्रतिबद्धता का प्रतीक है जिसके केंद्र में समान अवसर, प्रतिनिधित्व और न्याय का विचार है।

इसी कारण जब किसी भर्ती में आरक्षण के पालन पर सवाल उठते हैं तो वह केवल भर्ती प्रक्रिया का विवाद नहीं रह जाता। वह संविधान की भावना, प्रशासनिक निष्पक्षता और सामाजिक न्याय की विश्वसनीयता से जुड़ा प्रश्न बन जाता है।

किसी भी शासन में कभी-कभार तकनीकी त्रुटियां हो सकती हैं। किसी भर्ती में गणना की गलती हो सकती है, किसी नियम की व्याख्या को लेकर विवाद हो सकता है। लेकिन जब अलग-अलग वर्षों में, अलग-अलग विभागों में, अलग-अलग चयन एजेंसियों द्वारा आयोजित अनेक भर्तियों में एक जैसी शिकायतें सामने आएं, तब उसे महज संयोग कहकर खारिज करना कठिन हो जाता है।

यदि आरक्षण विवादों की चर्चा होगी तो 69 हजार शिक्षक भर्ती का नाम सबसे पहले आएगा। समाजवादी पार्टी लगातार कहती रही है कि इस भर्ती में ओबीसी, एससी और

एसटी वर्ग को उनका संवैधानिक हिस्सा नहीं मिला। इस मामले में राष्ट्रीय पिछड़ा वर्ग आयोग तक को हस्तक्षेप करना पड़ा और मामला न्यायालय तक पहुंचा।

बाद में सरकार द्वारा अतिरिक्त चयन सूची जारी किए जाने से यही निष्कर्ष निकला कि शुरुआती प्रक्रिया पर गंभीर प्रश्न थे। यही कारण है कि 69 हजार शिक्षक भर्ती आज केवल एक भर्ती का मामला नहीं रह गई। यह आरक्षण की पूरी बहस का प्रतीक बन चुकी है।

समाजवादी पार्टी जिन भर्तियों का उल्लेख करती है, उनमें वन एवं वन्यजीव रक्षक भर्ती, ग्राम पंचायत अधिकारी भर्ती, नेत्र परीक्षण अधिकारी भर्ती, कनिष्ठ सहायक भर्ती, प्रवर्तन कांस्टेबल भर्ती, लखीमपुर कोऑपरेटिव बैंक भर्ती, लेखपाल भर्ती, कृषि प्राविधिक सहायक भर्ती, पशु चिकित्सक भर्ती, स्वास्थ्य शिक्षा अधिकारी, आयुर्वेद चिकित्सा अधिकारी, होम्योपैथिक चिकित्सा अधिकारी, अमीन, लिपिक, कोषागार लेखाकार, अधिशासी अधिकारी और चकबंदी अधिकारी जैसी अनेक भर्तियां शामिल हैं। इनको लेकर समाजवादी पार्टी का आरोप एक ही है—आरक्षित वर्ग को उसका पूरा संवैधानिक हिस्सा नहीं मिला।

यदि अलग-अलग विभागों में बार-बार एक जैसा आरोप सामने आए तो स्वाभाविक है कि जनता यह पूछेगी कि आखिर हर बार नुकसान उसी वर्ग का क्यों होता है जिसे संविधान ने विशेष संरक्षण दिया है।

समाजवादी पार्टी का दावा रहा है कि केवल 69 हजार शिक्षक भर्ती में ही हजारों पद प्रभावित हुए नहीं हुए बल्कि लेखपाल भर्ती में लगभग एक हजार पदों पर आरक्षण नियमों के उल्लंघन का आरोप लगा। कृषि प्राविधिक सहायक भर्ती, एडेड जूनियर हाईस्कूल भर्ती, ग्राम पंचायत अधिकारी भर्ती और अन्य अनेक भर्तियों में भी सैकड़ों पदों पर आरक्षण लागू न होने का आरोप लगाया गया है।

यदि इन सभी को जोड़ दिया जाए तो संख्या 11,514 से अधिक आरक्षित पदों तक पहुंचती है। इतनी बड़ी संख्या केवल सांख्यिकीय जानकारी नहीं है। यह हजारों युवाओं, हजारों परिवारों और हजारों सपनों की कहानी है।

अक्सर लोग आरक्षण को केवल नौकरी मिलने या न मिलने तक सीमित करके देखते हैं जबकि वास्तविकता इससे कहीं अधिक व्यापक है।

सरकारी नौकरी केवल मासिक वेतन नहीं देती। वह सामाजिक प्रतिष्ठा देती है।

आर्थिक स्थिरता देती है। परिवार की अगली पीढ़ी को बेहतर शिक्षा का अवसर देती है। समाज में निर्णय लेने की प्रक्रिया में भागीदारी बढ़ाती है।

जब किसी आरक्षित वर्ग का युवक या युवती संवैधानिक अधिकार के बावजूद अवसर से वंचित होता है तो केवल एक नियुक्ति नहीं रुकती, बल्कि पूरा सामाजिक विकास प्रभावित होता है।

इसलिए आरक्षण का प्रश्न केवल रोजगार का प्रश्न नहीं है। यह सामाजिक प्रतिनिधित्व का प्रश्न है।

समाजवादी आंदोलन हमेशा से यह मानता रहा है कि लोकतंत्र केवल चुनाव जीतने का नाम नहीं है। लोकतंत्र तब मजबूत होता है जब शासन और प्रशासन में समाज के सभी वर्गों की भागीदारी सुनिश्चित हो।

यदि आरक्षण का उद्देश्य प्रतिनिधित्व बढ़ाना है और लगातार ऐसे आरोप सामने आते हैं कि आरक्षित वर्ग को उसका हिस्सा नहीं मिला, तो यह चिंता स्वाभाविक है कि कहीं सामाजिक प्रतिनिधित्व को सीमित करने की प्रवृत्ति तो विकसित नहीं हो रही।

डॉ. भीमराव अंबेडकर ने संविधान केवल शासन चलाने के लिए नहीं लिखा था। उन्होंने ऐसा भारत बनाने का सपना देखा था जहां जन्म किसी व्यक्ति के अवसरों का निर्धारण न करे। आरक्षण उसी सोच का व्यावहारिक रूप है इसलिए जब आरक्षण पर प्रश्न उठते हैं तो वास्तव में संविधान की आत्मा पर प्रश्न उठते हैं। पीडीए समाज के करोड़ों परिवार आरक्षण को केवल नीति नहीं, बल्कि सम्मान और समान अवसर की गारंटी के रूप में देखते हैं।

लोकतंत्र में अधिकार केवल संविधान लिख देने से सुरक्षित नहीं रहते। उन्हें सुरक्षित रखने के लिए समाज को सजग रहना पड़ता है। जब भी किसी संवैधानिक अधिकार पर प्रश्न उठे, समाज का दायित्व है कि वह तथ्यों के आधार पर आवाज़ उठाए। आवाज़ उठाना किसी सरकार के विरोध का नहीं, संविधान के पक्ष में खड़े होने का प्रश्न है।

कुछ लोग आरक्षण को केवल पिछड़े, दलित और आदिवासी समाज का विषय मानते हैं। यह अधूरा दृष्टिकोण है। यदि संविधान द्वारा प्रदत्त किसी अधिकार का पालन नहीं होता, तो उससे पूरी लोकतांत्रिक व्यवस्था कमजोर होती है।

सरकारी नौकरी केवल मासिक वेतन नहीं देती। वह सामाजिक प्रतिष्ठा देती है। आर्थिक स्थिरता देती है। परिवार की अगली पीढ़ी को बेहतर शिक्षा का अवसर देती है। समाज में निर्णय लेने की प्रक्रिया में भागीदारी बढ़ाती है

आज यदि आरक्षण की संवैधानिक व्यवस्था पर प्रश्न उठते हैं तो कल किसी अन्य संवैधानिक अधिकार पर भी प्रश्न उठ सकते हैं। इसलिए सामाजिक न्याय की रक्षा करना केवल पीडीए समाज का दायित्व नहीं, बल्कि हर उस नागरिक का दायित्व है जो संविधान में विश्वास रखता है।

उत्तर प्रदेश की 22 भर्तियों में 11,514 से अधिक आरक्षित पदों पर आरक्षण नियमों का पालन नहीं करने का समाजवादी पार्टी का आरोप हुआ। गंभीर है और इसलिए इसकी गंभीरता से चर्चा भी आवश्यक है। यदि वास्तव में लगातार अनेक भर्तियों में एक ही प्रकार की अनियमितताएं सामने आई हैं, तो इसे केवल भर्ती विवाद कहकर नहीं टाला जा सकता। यह सामाजिक न्याय, समान अवसर और संविधान की मूल भावना से जुड़ा विषय है।

आज आवश्यकता केवल आरोप लगाने या उनका खंडन करने की नहीं, बल्कि ऐसी पारदर्शी व्यवस्था विकसित करने की है जिसमें हर भर्ती का आरक्षण रोस्टर सार्वजनिक हो, स्वतंत्र स्तर पर उसकी समीक्षा हो, शिकायतों का समयबद्ध समाधान हो और यदि कहीं नियमों का उल्लंघन पाया जाए तो दोषियों की जवाबदेही निश्चित की जाए।

भारतीय लोकतंत्र की मजबूती इसी में है कि संविधान की भावना केवल पुस्तकों में नहीं, बल्कि नियुक्तियों, संस्थाओं और शासन की हर प्रक्रिया में दिखाई दे। पीडीए समाज के अधिकारों की रक्षा किसी दल का राजनीतिक एजेंडा भर नहीं बल्कि सामाजिक न्याय की उस अधूरी यात्रा का हिस्सा है जिसे डॉ. अंबेडकर, डॉ. राममनोहर लोहिया, जननायक कर्पूरी ठाकुर और समाजवादी परंपरा ने बराबरी के भारत का सपना मानकर आगे बढ़ाया था। यदि संविधान सर्वोच्च है, तो आरक्षण की संवैधानिक व्यवस्था का अक्षरशः पालन भी सर्वोच्च प्राथमिकता होना चाहिए। तभी लोकतंत्र का वादा और सामाजिक न्याय का उद्देश्य दोनों सार्थक हो सकेंगे।

सही शिक्षा और रोजगार न मिलना आपदा का सबब -अखिलेश

बुलेटिन ब्यूरो

समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री अखिलेश यादव 29 जून को प्रयागराज में विजन इंडिया कार्यक्रम में शामिल हुए।

कार्यक्रम में 'शिक्षा-परीक्षा- क्यों ध्वस्त हुई व्यवस्था' विषय पर आयोजित संवाद में मुख्य अतिथि श्री अखिलेश यादव ने कहा कि शिक्षा बुनियाद है। जब किसी देश की शिक्षा व्यवस्था और परीक्षा प्रणाली ध्वस्त हो जाती है तो युवाओं का भविष्य बर्बाद हो जाता है। शिक्षकों पर काम का अधिक बोझ, लगातार पेपर लीक, परीक्षाएं रद्द होने, बेरोजगारी बढ़ने से मानसिक तनाव बढ़ता है।

जब परीक्षाएं नहीं हुईं तो मानसिक तनाव के कारण बड़ी संख्या में लोगों ने आत्महत्या तक कर ली जिससे परिवार के सामने संकट पैदा

हुआ है। देखा जा रहा कि तमाम कोशिशों के बाद भी सरकारें पेपर लीक नहीं रोक पा रही है।

श्री यादव ने कहा कि जब योग्यता की अनदेखी की जाती है तो देश की बड़ी आबादी की ताकत एक बड़ी आपदा बन जाती है।

दस साल पहले जब हम कहते थे कि डेमोग्रेफिक डेविडेंट में हम बहुत आगे हैं। हमारे छात्रों में बहुत ऊर्जा है लेकिन वही ताकत आपदा में बदलती जा रही है। बढ़ती आबादी के नौजवानों को अगर सही शिक्षा और रोजगार नहीं दे पाए तो वह आपदा में बदल जाएगी। छात्र उम्मीद खोते जा रहे हैं।

आज बड़ा सवाल है कि देश कैसे आगे बढ़ेगा। सरकार ने केजी से लेकर पीजी तक पूरी शिक्षा व्यवस्था को बीमार कर दिया है। सरकार हजारों सरकारी स्कूलों को बंद कर रही है। विश्वविद्यालय संकीर्ण राजनीति का शिकार हो गए है। अगर बेसिक शिक्षा ही समाप्त हो जाए, जिस तरह से नियुक्तियां हो रही उस पर प्रश्नचिन्ह लग रहे हैं तो उम्मीद कहां बच रही है।

समस्या का मूल भाजपा और उनके संगी साथियों का वर्चस्ववादी, रुढ़िवादी सोच में कई परतों के नीचे छिपा है। शिक्षा, शिक्षक, शिक्षार्थी व शैक्षिक व्यवस्था को राजनीतिक सत्ता बचाने के लिए गुप्त चाल बना दिया गया है। अगर इस तरह चाल चली जाएगी तो संकट पैदा हो जाएगा।

श्री अखिलेश यादव ने कहा कि शिक्षकों को तरह-तरह के कामों में लगा दिया जाता है। कभी चारा इकट्ठा करने तक में ड्यूटी लगा दी जाती है। उनका मनोबल गिराने के लिए कभी पाठ्यक्रम बदलते हैं, कभी यूनिफार्म तो कभी परीक्षाओं में जातिवादी प्रश्न पूछे जाते हैं। जब परीक्षाओं को लेकर बड़ी-बड़ी कमेटियां बनाई जाती हैं तो जातिवादी प्रश्न कैसे पूछे जाते हैं?

गांव का प्राइमरी स्कूल मर्जर के नाम पर बंद कर दिया जाता है, जरा उस छह साल की छोटी बच्ची के बारे में सोचिए जिसे पढ़ाई के लिए तीन किलोमीटर दूर जाना पड़ता है। रास्ते में डर। स्कूल में शौचालय नहीं। ऑगनबाड़ी में मायूसी। देश के बच्चों के लिए भाजपा सरकार के पास पैसे नहीं है लेकिन अपने विज्ञापन के लिए खजाना खुला है।

हर विभाग से बजट कटौती कर विज्ञापनों पर खर्च किया जाता है। अच्छी शिक्षा के लिए जितने बजट की सलाह दी गई है, इस सरकार में शिक्षा का बजट उससे आधे से भी कम है, जो दर्शाता है कि आज शिक्षा की बदहाली के लिए कोई सोच काम नहीं कर रही है। जब बुनियादी शिक्षा के लिए बजट नहीं है तो रिसर्च और डेवलपमेंट के लिए सोचना बेमानी होगी। यह सरकार रिसर्च और डेवलपमेंट का बजट भी विज्ञापन पर खर्च कर रही है।

केजी से विश्वविद्यालय तक हर क्लास में संघर्ष करना पड़ता है। आधारभूत ढ़ांचे की कमी। कहीं कुर्सी मेज नहीं, कहीं कापी-किताब और कहीं मिड-डे-मील नहीं। कहीं लैब नहीं, खेल का मैदान बिल्डरों को बेच दिया जाता है। फीस की कमी से लाखों बच्चे पढ़ाई छोड़ देते हैं।

स्कूल का पाठ्यक्रम कुछ होता है, प्रवेश परीक्षाओं में सवाल कुछ और आते हैं, इसी गैप को भरने के लिए टयूशन और कोचिंग की जरूरत पड़ती है।

श्री अखिलेश यादव ने कहा कि कॉलेजों में प्रोफेसर नहीं है। सिर्फ गेस्ट फैकेल्टी पढ़ा रही है। पद खाली पड़े हैं क्योंकि सरकार ने नाट फाउंड सुटेबल का बोर्ड टांग दिया है। शिक्षक हैं, कम्पटेटिव हैं लेकिन पता नहीं क्यों सरकार नाट फाउंड सुटेबल बता कर रिजेक्ट कर देती है।

शिक्षा के सभी विभागों में एनएफएस का बोर्ड टांग कर नौकरियां छीनने का काम हो रहा है। नियुक्तियों में आरक्षण की धांधली हो रही है। आए दिन पक्षपात देखने को मिल रहा है। छात्रवृत्ति कई महीनें अटकी रहती

है। शिक्षा महंगी होती जा रही है। गरीब का बच्चा पहले ही साल पढ़ाई छोड़ देता है, अमीर का बच्चा कहीं भी पढ़ सकता है, यह स्थिति निन्दनीय और चिंतनीय है।

उन्होंने कहा कि इस सबके बाद जब युवाओं को नौकरी नहीं मिलती है तो यह स्थिति देश के लिए चुनौती बन जाती है।

इन सबका सबसे ज्यादा खामियाजा लड़कियों को भुगतना पड़ता है। जिन्हें उम्र बढ़ते ही सुरक्षा के नाम पर स्कूल कालेज दूर होने, ट्वायलेट फैसिल्टी न होने के कारण मां-बाप उनकी पढ़ाई बीच में छुड़वा देते हैं। अगर अनुपात देखें तो बड़े पैमाने पर बेटियां पढ़ाई छोड़ देती हैं।

जब देश की आधी आबादी पढ़ेगी नहीं तो बढ़ेगी कैसे? देश की तरक्की में योगदान कैसे दे पाएगी। श्री यादव ने कहा कि वर्तमान सरकार में घोर भ्रष्टाचार के कारण शिक्षा और परीक्षा ध्वस्त हो गई है। सरकार जानबूझ कर शिक्षा व्यवस्था ध्वस्त कर रही है। परीक्षाएं लीक हो रही हैं। पेपर सेंटर से लेकर हर कड़ी तक पैसे पहुंचने के कारण पूरा सिस्टम बिक गया है। मेहनत करने वाले छात्रों के साथ अन्य छात्रों का भविष्य खराब हो रहा है। सरकार अपनी गलती नहीं मानती है। शिक्षा मंत्री के इस्तीफे की मांग बेशर्मी से टाल देती है। समस्या की जड़ में वर्तमान सरकार का भ्रष्टाचार है।

उन्होंने कहा कि पिछलें दस साल की सरकार में देखा गया है भाजपा के एजेंडे में नौकरी नहीं है। अगर सरकार के एजेंडे में नौकरी, रोजगार होती तो इतने पेपर लीक नहीं होते, परीक्षाएं रद्द नहीं होती।

श्री यादव ने कहा कि भाजपा सरकार का नौकरी न देने के पीछे पहला कारण भाजपाइयों का पैसा कमाना है। युवा चुनाव में अपना गुस्सा निकालेंगे लेकिन भाजपा हेराफेरी से चुनाव जीतने का मंसूबा पाले रहती है। वह युवाओं के पक्ष में नहीं सोचती है।

नौकरी न देने का दूसरा कारण है, कर्मचारियों का वेतन राजकोष से निकलता हैं जिससे भाजपाइयों को कमीशन नहीं मिल पाता है इसीलिए वे संविदा की बात करते हैं। भाजपा सरकार में ठेकेदारों से कमीशन उगाहने में वर्ल्ड रिकॉर्ड बन चुका है। भाजपा सरकार स्थायी नौकरी न देकर संविदा के माध्यम से पीडीए के आरक्षण की लूट करती है। जब संविदा पर नौकरी होगी तो आरक्षण नहीं देना होगा।

जब भाजपाइयों ने 69 हजार शिक्षक भर्ती में आरक्षण मार दिया तो संविदा पर कितना घोटाला है इसकी कल्पना नहीं कर सकते। भाजपा परीक्षा प्रणाली का दशानन है।

इसके दस चेहरे हैं। इस दशानन के दस रूप हैं। परीक्षा में हेरफेर करने वाले भाजपाई, पेपर छपाने वाले भाजपाई, पेपर लीक कराने वाले भाजपाई, परीक्षा की डेट टलवाने वाले भाजपाई। परीक्षा रद्द करने वाले, मूल्यांकन में कापी बदलने वाले भाजपाई। आरक्षण मारने वाले, रिजल्ट लटकाने वाले भाजपाई, भर्ती कोर्ट में ले जाने वाले भाजपाई, कोर्ट में जानबूझ कर हार जाने वाले भाजपाई।

सपा सरकार में 12वीं तक होगी समान शिक्षा

बुलेटिन ब्यूरो

समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री अखिलेश यादव ने कहा है कि भाजपा सरकार साजिश के तहत शिक्षा को गरीबों से दूर कर रही है।

उन्होंने कहा कि समाजवादी पार्टी ने प्रयागराज में विजन इंडिया कार्यक्रम में अच्छी शिक्षा और नौकरी रोजगार के बारे में चर्चा की है। 2027 में समाजवादी पार्टी की सरकार बनने पर शिक्षा को अच्छी किया जाएगा।

छात्रों, नौजवानों को नौकरी दी जाएगी। इनवेस्टमेन्ट लाया जाएगा जिससे युवाओं को रोजगार मिलेगा। उन्होंने कहा कि शिक्षा अच्छी होगी, परीक्षा अच्छी होगी तो तरक्की पक्की होगी।

29 जून को प्रयागराज में विजन इंडिया कार्यक्रम के बाद प्रेस कांफ्रेस में श्री यादव ने कहा कि समाजवादी पार्टी चाहती है कि 12वीं तक समान शिक्षा लागू हो। सभी को सम्मान दिया जाएगा।

स्कूलों का आधारभूत ढ़ांचा ठीक किया जाएगा। किताबें एक समान करने का प्रयास किया जाएगा। समाजवादी पार्टी ने अपनी सरकार में लाखों छात्रों को लैपटॉप बांटकर गरीब-अमीर के बीच डिजिटल डिवाइड खत्म करने का काम किया था। समाजवादी सरकार में बनाए गए अभिनव स्कूल प्राइवेट से भी अच्छे थे।

श्री अखिलेश यादव ने कहा कि भाजपा सरकार में भ्रष्टाचार चरम पर है। जल जीवन मिशन में बन रही पानी की टंकियां भ्रष्टाचार का भार नहीं सहन कर पा रही है। भ्रष्टाचार की पाइप लाइन लखनऊ के कालिदास मार्ग तक जाती है। समाजवादी पार्टी भ्रष्टाचार, आरक्षण की लूट, महंगाई, बेरोजगारी को

लेकर जनता के बीच जाएगी। उन्होंने कहा कि भाजपा जानबूझ कर जनता को कागजों में उलझाये रखना चाहती है जिससे जनता हमेशा लाइनों में लगी रहे, परेशान रहें, भाजपा से सवाल न पूछ पाएं।

श्री यादव ने कहा कि प्रदेश की कानून व्यवस्था ध्वस्त है। किसी को भी न्याय नहीं मिल रहा है। उन्होंने कहा कि भाजपा की नजर नेशन पर नहीं डोनेशन पर रहती है। इस सरकार में चौतरफा लूट है। भाजपा के शब्द कोष में न धर्म है और न शर्म। अयोध्या में प्रभु श्रीराम के मंदिर में चढ़ावा चोरी की घटना आस्था के साथ खिलवाड़ है। अयोध्या के लोग कह रहे है कि चढ़ावा चोरी के तार कर्नाटक से जुड़े है। कर्नाटक में अंडर ग्राउंड, अनरजिस्टर्ड लोग हैं जो चुनाव के समय पर वोटरों को भेजते हैं। चुनावी साजिश में शामिल रहते हैं। उनका भंडाफोड़ हो गया है।

उन्होंने कहा कि चढ़ावा चोरी सनातनियों के आस्था और श्रद्धा के साथ खिलवाड़ है। प्रभु श्रीराम ने सच्ची चोरी खोल दी है। अभी प्रभु श्रीराम और पोल खोलेंगे। सभी लोग जानते हैं। चढ़ावा चोरी के मामले में छोटी मछलियों को पकड़ा जा रहा है। बड़ी मछलियों को बचाया जा रहा है। श्री यादव सच्चे सनातनियों से अपील की है कि वे भाजपा को वोट न दें और न चुनाव में भाजपा से टिकट मांगे। इन्होंने प्रभु श्रीराम के साथ धोखा किया है। उन्होंने कहा कि भाजपाई सीसी टीवी से घबराये हुए हैं।

उन्होंने कहा कि भाजपा सरकार के भ्रष्टाचार के कारण हर जगह लूट है। भाजपा के भ्रष्टाचार के कारण लखनऊ की कोचिंग में अग्निकांड की घटना हुई। पढ़ने और नौकरी करने वाले युवाओं की जान चली गयी। अगर सुरक्षा मानकों का पालन किया गया होता तो इतनी बड़ी घटना नहीं होती।

श्री अखिलेश यादव ने कहा कि भाजपा सरकार में अरबों का बजट साफ हो गया लेकिन नदियां नहीं साफ हुई। मां गंगा की सफाई नहीं हो पाई। भाजपा ने जनता से झूठे वादे किए। मां गंगा की सफाई के लिए आए बजट की लूट हो गई।

एक सवाल के जवाब में श्री यादव ने कहा कि भाजपा सरकार में सबसे ज्यादा बुलडोजर पीडीए समाज के लोगों के घरों पर चले हैं। इसी तरह से सबसे ज्यादा फर्जी एनकाउण्टर पीडीए के लोगों के हुए हैं। भाजपा सरकार पीडीए से नफरत करती है। पीडीए का आरक्षण लूट रही है। पीडीए को नौकरी नहीं देना चाहती है।

उन्होंने कहा कि समाजवादी पार्टी की सरकार बनने पर परीक्षाओं में पारदर्शिता होगी। किसी का आरक्षण और सम्मान नहीं छीनने देंगे। सभी को हक और सम्मान मिलेगा। सबके साथ न्याय होगा। कोर्ट ने समय-समय पर जिस व्यवस्था के लिए कहा है उसे लागू करेंगे।

श्री अखिलेश यादव ने कहा कि भाजपा संविधान को नहीं मान रही है। इस सरकार को हटाकर ही लोकतंत्र और संविधान को बचाया जा सकता है। आने वाले समय में भाजपा साफ हो जाएगी। पीडीए के लोग भाजपा को हराना सीख गए हैं। हमारे लोग सावधान है। ईमानदारी से लोकतंत्र को बचाने के लिए तैयार है। जनता ने भाजपा को हरा दिया था, इसलिए भाजपा अब साजिश के तहत सांसदों को तोड़कर संविधान बदलना चाहती है।

इन सबके पीछे बहुत बड़ी साजिश काम कर रही है। इनकी मंशा 95 फीसदी पीडीए समाज के लोगों को 5 फीसदी प्रभुत्वशाली लोगों के लिए मजदूर के रूप में उपलब्ध कराना है जिससे कम कीमत पर ज्यादा शोषण कर सके।

श्री यादव ने कहा कि शिक्षा को लेकर साजिश और षडयंत्र चल रहा है। सबसे पहले उन्होंने प्राइमरी शिक्षा पर हमला किया। मुख्यमंत्री के जिले में 500 प्राइमरी स्कूल बंद हो गये, पूरे यूपी में 20 हजार से ज्यादा प्राइमरी स्कूल बंद हो गए। सोचिए यूपी में प्राइमरी स्कूल की हालत क्या होगी। उन्होंने कहा कि न्यू इंडिया के सपने को साकार करने, पीडीए को केजी से पीजी तक शिक्षा का हक दिलवाने के लिए। पीड़ा और दुःख के दुष्चक्र के बाहर ले जाने के लिए हम सब मिलकर शिक्षा, परीक्षा को बेहतर रास्ते पर ले जाएंगे। शिक्षा अच्छी होगी, परीक्षा अच्छी होगी तो तरक्की पक्की होगी।

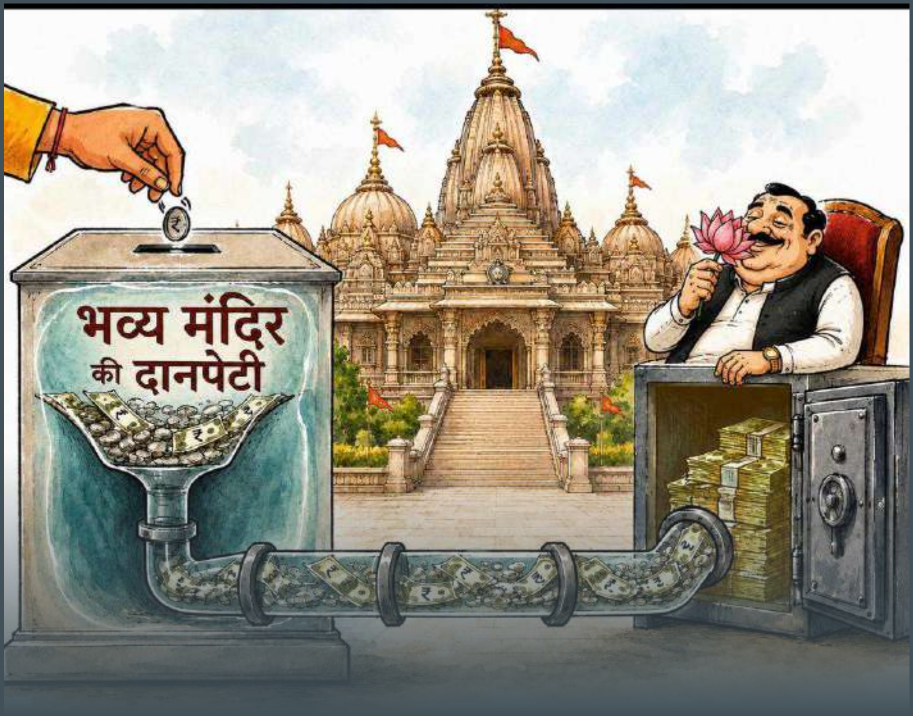

भाजपा राज में अयोध्या की मर्यादा तार-तार

बुलेटिन ब्यूरो

धर्म को सत्ता का हथियार बनाने वाले आरएसएस और उसका राजनीतिक चेहरा भाजपा ने खुद के बारे में चाल, चरित्र और चेहरा सर्वोत्तम होने और शुचिता की दुहाई देने का जो झूठा आवरण ओढ़ रखा था, वह बेनकाब हो गया है। अयोध्या में श्री राम मंदिर में दर्शनार्थियों द्वारा जो चढ़ावा चढ़ाया जाता है उसमें मंदिर की व्यवस्था देखने वाले ट्रस्ट के पदाधिकारियों ने ही चोरी कर ली। आस्था से खिलवाड़ करने वाली इस शर्मनाक घटना ने श्रीराम की नगरी अयोध्या की मर्यादा को तार-तार कर दिया है। भाजपा सरकार ने एसआईटी के बहाने चंदा चोरी की घटना को दबाने की बहुतेरी कोशिश की मगर संघ परिवार समेत भाजपा सरकार की सचाई सनातन अनुयायियों के सामने आ गई है। समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री अखिलेश यादव ने चढ़ावा/चंदा चोरी को मुखरता के साथ उठाकर दुनिया को इस कुकृत्य से अवगत कराया। अयोध्या के चढ़ावा चोरी के पूरे घटनाक्रम पर समाजवादी बुलेटिन की ***विशेष रिपोर्ट***

अयोध्या में श्री राम मंदिर में चंदा/चढ़ावा चोरी की पोल खुलने के बाद गांव-गांव भाजपा की थू-थू हो रही है। जनता, चढ़ावा चोरी से दुखी, मर्माहत है। आस्था, श्रद्धा के साथ हुए खिलवाड़ के अति गंभीर मामले में भी भाजपा सरकार की लीपापोती ने जनता का गुस्सा बढ़ा दिया है। भाजपा को सत्ता से बेदखल करने का जनता इंतजार कर रही है। समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री अखिलेश यादव चंदा चोरी की घटना की लीपापोती से आहत हैं और वह लगातार इस मामले की गहन जांच करने की मांग उठा रहे हैं। श्री अखिलेश यादव ने चंदा चोरी पर तीखी प्रतिक्रिया दी है। उन्होंने कहा है कि भाजपा ने अयोध्या में आस्था और श्रद्धा के साथ खिलवाड़ किया है।

अयोध्या प्रभु श्रीराम मंदिर में चढ़ावा चोरी की बात गांव-गांव और घर-घर पहुंच गयी है। अब भाजपा को न चंदा मिलेगा न दान

और न वोट मिलेगा। भाजपा ने मर्यादा का पहला नाम प्रभु श्रीराम और देश के संविधान दोनों के साथ दगा की। प्रभु श्रीराम इन्हें माफ नहीं करेंगे।

समाजवादी पार्टी के राज्य मुख्यालय, लखनऊ में पत्रकारों से बातचीत करते हुए श्री अखिलेश यादव ने कहा कि मर्यादा पुरषोत्तम श्रीराम के चढ़ावे के बारे में जनता ने अगर सही बता दिया तो यह मामला जितना दिख रहा है उससे बहुत बड़ा होगा। अभी तो गुप्त दान का कोई हिसाब किताब ही नहीं है। उन्होंने कहा कि लोकतंत्र में विपक्ष का जो काम है, समाजवादी पार्टी वही जिम्मेदारी निभा रही है।

भाजपा सरकार ने अयोध्या में एयरपोर्ट और अन्य जगहों पर जमीन के मुआवजे में भेदभाव किया। उनके साथ अन्याय किया। उन्हें प्रताड़ित किया। वहां के लोगों ने सरयू नदी में खड़े होकर भाजपा को वोट नहीं देने की कसम खाई थी।

इसी तरह से अयोध्या में सड़कों के चौड़ीकरण में व्यापारियों और आम लोगों के मकानों दुकानों का उचित मुआवजा नहीं मिला। जमीनों के साथ बड़े पैमाने पर हेरफेर हुआ। भाजपा सरकार ने अयोध्या के लोगों के साथ न्याय नहीं किया।

श्री अखिलेश यादव ने कहा है कि अयोध्या श्रीराम मंदिर में चढ़ावा चोरी महापाप हुआ है। आस्था के साथ खिलवाड़ हुआ है। पूरे देश से जो चढ़ावा आया उसकी लूट हुई। उन्होंने कहा कि भ्रष्टाचार भाजपा का धर्म बन गया है। अयोध्या में जमीनों में भी बड़े पैमाने पर भ्रष्टाचार और लूट हुई है। धन ही भाजपा का धर्म है।

श्री यादव ने कहा कि देश की आस्था, सनातन धर्म की परंपरा प्रभु श्रीराम के स्थान पर हुए भ्रष्टाचार और चढ़ावा चोरी की भगवान ने पोल खुलवा दी। अभी तो कुछ ही चीजों का खुलासा हुआ है। अयोध्या में चढ़ावा चोरी के खुलासे से देश और दुनिया के सामने बहुत खराब संदेश गया है।

श्री अखिलेश यादव ने कहा कि अयोध्या में लोगों के विश्वास में सेंध लगी है। उन्होंने कहा कि प्रभु श्रीराम के मंदिर में चोरी होती रही और जिन्होंने वहां सबसे ज्यादा बार दौरा किया वे क्या करने जाते थे। उन्होंने क्या किया?

श्री अखिलेश यादव ने कहा कि प्रदेश में दस साल से भाजपा सरकार है। सरकार ने अपनी जिम्मेदारी नहीं निभाई।

प्रेस कांफ्रेंस में अयोध्या के पंच प्रमुख मंदिर राम निवास धाम के हरिशंकर सफरीवाला ने आरोप लगाया कि जिन लोगों पर पारदर्शिता बनाए रखने का दायित्त्व था उन्होंने ही गिरोह बनाकर डकैती डालकर मंदिर को लूट लिया। राम निवास धाम पंच प्रमुख मंदिर समिति ने मंदिर से हड़पे गए कीमती समानों की रसीद मांगी तो उसे भी नहीं दिया गया। अयोध्या में धर्म के नाम पर लूट हो रही है।

अयोध्या को बनाएंगे अनुपम-अनुकरणीय धार्मिक नगरी

समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री अखिलेश यादव ने कहा है कि हम धर्मनिष्ठता और सत्यनिष्ठा के साथ ये संकल्प लेते हैं कि नई सरकार बनाकर 'अयोध्या' को एक ऐसी अनुपम-अनुकरणीय धार्मिक नगरी के रूप में विकसित करेंगे, जहां विश्व भर से आए श्रद्धालु सच्ची आध्यात्मिकता की अद्वितीय अनुभूति करेंगे।

प्रभु के आशीर्वाद के साथ, हम अयोध्या के सनातन मान को आस्था-श्रद्धा, अखंड विश्वास और सच्ची भावना के 'सियाराम-धाम' के रूप में पुनर्स्थापित और पल्लवित करेंगे। उन्होंने कहा कि अयोध्यावासियों के भी परंपरागत गौरवभान और अधिकारों को पुनः स्थापित किया जाएगा।

अयोध्या की चोरी उजागर करने के लिए अखिलेश प्रशंसा योग्य - उदय प्रताप

बुलेटिन ब्यूरो

पूर्व सांसद, ख्यातिलब्ध कवि एवं हिन्दी संस्थान के पूर्व अध्यक्ष श्री उदय प्रताप सिंह ने मुख्यमंत्री द्वारा राम मंदिर अयोध्या में चंदा चोरी की घटना पर श्री अखिलेश यादव के बयान की आलोचना का मुंहतोड़ उत्तर दिया है।

उन्होंने कहा कि समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री अखिलेश यादव ने जो काम किया है उसके लिए उनकी प्रशंसा की जानी चाहिए थी किन्तु हमेशा की तरह उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री ने फिर समाजवादी पार्टी के प्रति अपना जहर उगला है

उन्होंने दो बातें कहीं कि समाजवादी पार्टी राम भक्तों के धैर्य की परीक्षा न ले और कहा कि उन पर गोलियां चलाने वाले को यह पूछने का अधिकार नहीं है कि राम मंदिर का दान और चंदा कहां गया।

श्री उदय प्रताप सिंह ने कहा कि उनकी समझ में यह नहीं आ रहा है कि इस बयान को हास्यासपद कहें या मुख्यमंत्री की कम जानकारी कहें।

जहां तक राम मंदिर में दान और चंदे में हुए घोटाले का मामला है तो इसे सबसे पहले समाजवादी पार्टी के अध्यक्ष श्री अखिलेश यादव ने उठाया था और उसके बाद गोदी मीडिया ने उनको केवल उद्धृत किया था। अखिलेश जी इस मामले को यदि नहीं उठाते तो शायद यह मामला आज भी गहराई में दबा हुआ होता।

श्री अखिलेश जी ने उस समय दान और चंदा

की धनराशि के बारे में जो अनुमान लगाया था उससे कई गुना ज्यादा घोटाले का मामला अब सामने आ रहा है।

इस बात के लिए योगी जी को अखिलेश जी को कम से कम एक बार तो धन्यवाद देना चाहिए कि उन्होंने राम मंदिर की पवित्रता को बनाए रखने के लिए इस मिलीभगत और बेईमानी का पर्दाफाश किया और विपक्षी दल के नेता की भूमिका को बखूबी निभाया।

उन्होंने शासन व प्रशासन को सहयोग दिया कि वह भ्रष्टाचार को दूर कर सके लेकिन योगी जी का रुख कुछ दूसरा ही है। मुख्यमंत्री जी ने कहा कि राम भक्तों पर गोली चलाने वाले लोग राम भक्तों को सलाह न दें। यह बयान या तो उनको जानकारी नहीं होने का बहुत बड़ा सबूत है या फिर इस मामले में उनके द्वारा की जा रही राजनीति का प्रमाण है।

श्री सिंह ने कहा कि गोली चलाने के पीछे सर्वोच्च न्यायालय का एक आदेश था कि तत्कालीन स्थिति में अयोध्या में यथास्थिति बनाए रखी जाए। उस समय उत्तर प्रदेश सरकार में वरिष्ठ प्रशासनिक अधिकारी श्री नृपेन्द्र मिश्रा थे, जो आजकल सरकार की नाक के बाल हैं और जो ट्रस्ट के जिम्मेदार व्यक्तियों में से एक हैं और जिन्होंने यह भी बयान दिया है कि यह चोरी नहीं है बल्कि राम मंदिर के दान पेटियों पर डकैती डाली गई है।

श्री सिंह ने कहा कि योगी जी स्पष्ट करें कि गोलियां चलाने वाले हमें सलाह न दें वाला उनका बयान समाजवादी पार्टी के लिए कहा गया है या सरकार के सर्वाधिक चहेते श्री नृपेद्र मिश्रा जी के लिए कहा गया है। हालांकि अयोध्या में उस समय यथास्थिति बनाए रखने का आदेश सर्वोच्च न्यायालय का था इसलिए किसी अन्य व्यक्ति या संस्था या दल को इसके लिए जिम्मेदार नहीं ठहराया जा सकता और यदि कोई मुख्यमंत्री की कुर्सी पर बैठा हुआ व्यक्ति ऐसा कर रहा है तो वह उसे कुर्सी के योग्य नहीं है।

श्री उदय प्रताप सिंह ने कहा कि राम मंदिर का अयोध्या में जब निर्माण हो रहा था तो बीजेपी सरकार के दोनों इंजन राम भक्तों को आमंत्रित कर रहे थे दर्शन करने के लिए, दान करने के लिए, जो बड़े प्रतिपक्ष के नेता किसी कारण दर्शन करने नहीं जा पाए थे उनका मजाक उड़ाया जाता था।

"इस बात के लिए योगी जी को अखिलेश जी को कम से कम एक बार तो धन्यवाद देना चाहिए कि उन्होंने राम मंदिर की पवित्रता को बनाए रखने के लिए इस मिलीभगत और बेईमानी का पर्दाफाश किया और विपक्षी दल के नेता की भूमिका को बखूबी निभाया"

अगर भाजपा सरकार के तब के उत्साह को इस घटना से जोड़कर देखा जाए तो यह भी संदेह स्वाभाविक रूप से होता है कि यह चंदा घोटाला भी सुनियोजित योजना के तहत मंदिर के निर्माणकाल के समय से ही चुपके - चुपके चल रहा था।

श्री सिंह ने कहा कि इस घोटाले के लिए आज अयोध्या में चंदा चोरों के नाम पर जिन छोटे-मोटे नामधारी को बलि का बकरा बनाकर एफआईआर दर्ज की गई है, उनके पीछे और ऊपर कौन-कौन था इसको गुप्त रखने की पूरी कोशिश की जा रही है। चंपत राय निर्दोष हैं और उनके ड्राइवर, सहायक इतना बड़ा घोटाला कर गए यह बात कम समझ में आती है। ऐसे अन्य कई उदाहरण मिल सकते हैं।

श्री उदय प्रताप सिंह ने कहा कि मेरा तो यह मानना है कि जितना हाथ इस घोटाले में किसी अन्य का है उतना ही लोकतंत्र की नैतिक उत्तरदायित्व की परंपरा के अनुसार मुख्यमंत्री जी और प्रधानमंत्री जी का भी है। अब यह बात अलग है कि स्वर्गीय लाल बहादुर शास्त्री जी थोड़े ही हैं जो नैतिक आधार पर इस्तीफा दे देते थे।

हिंदू धर्म को संघ से बचाना ही होगा

फोटो स्रोत : गूगल

अरुण कुमार त्रिपाठी
वरिष्ठ पत्रकार

अयोध्या के राममंदिर में चढ़ावा चोरी की घटना ने न सिर्फ हिंदू समाज को झकझोर दिया है बल्कि राष्ट्रीय स्वयं सेवक संघ के राष्ट्रवाद, हिंदुत्व और नैतिक आचरण की कलई खोल कर रख दी है।

निश्चित तौर पर समाजवादी पार्टी के अध्यक्ष अखिलेश यादव और अयोध्या के पत्रकारों और सामाजिक कार्यकर्ताओं को इस बात का श्रेय जाना चाहिए कि उन्होंने इस भ्रष्टाचार को उजागर करने में कोई कसर नहीं छोड़ी।

संघ परिवार ने जिस तरह से हिंदू समाज की चेतना को तथ्यों, तर्कों और वैज्ञानिक सोच से रहित करके उसे असत्य, भावना, घृणा और कुतर्कों से जोड़ दिया है, उसमें उनको यकीन था कि वे कुछ भी करेंगे और उन पर कोई सवाल नहीं उठा पाएगा।

जिस तरह उन्होंने महाराष्ट्र में विपक्ष को नष्ट किया। जिस तरह पश्चिम बंगाल में विपक्ष का विध्वंस किया वैसे ही उनको भरोसा था कि वे उत्तर प्रदेश के अयोध्या में स्थित भगवान राम के मंदिर के दान और चढ़ावा चोरी को या तो उजागर नहीं होने देंगे और अगर उजागर हो जाएगा तो उसे रफा दफा कर डालेंगे।

आज भी संघ और उसके संगठनों से जुड़े तमाम पदाधिकारी और कार्यकर्ता रमाशंकर यादव उर्फ टिन्नू यादव और अखिलेश यादव के बीच हजार बार की फोन वार्ता की झूठी खबर फैलाकर भ्रम पैदा कर रहे हैं।

इसी के साथ यह भी तर्क दिया जा रहा है कि जब किसी भक्त ने दान दे दिया तो उसे इस बात से क्या मतलब कि उस दान के धन का क्या हो रहा है। मुश्किल है कि वे जितनी लीपापोती कर रहे हैं और जितना कुतर्क कर रहे हैं उतना ही फंसते जा रहे हैं।

संघ परिवार यह मानकर चल रहा है कि उसने पूरे हिंदू समाज की मति फेर दी है और वह जो कहेगा समाज उसी को सच मानेगा। दूसरी ओर उनके राजनीतिक संगठन के सर्वशक्तिमान नेता और भारत के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी यह मानकर चलते हैं

कि पूरे देश की 140 करोड़ आबादी भेड़ है और वे उसे जिधर हांकेंगे वह उधर चली जाएगी।

राममंदिर में चढ़ावा चोरी की घटना अचानक नहीं हुई है बल्कि श्री रामजन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र न्यास का गठन जिस तरीके से हुआ है उसमें यह सब अंतर्निहित था। यानी इसकी पटकथा विधिवत लिखी जा चुकी थी। रोचक तथ्य यह है कि राममंदिर के ट्रस्ट का गठन भले ही लोकसभा में प्रधानमंत्री के एलान के बाद हुआ और उसके 15 सदस्यीय न्यास में बहुत सारे ऐसे लोग होते हैं जो सरकारी पदों पर मौजूद रहते हैं लेकिन वह ट्रस्ट अपने आप में प्राइवेट ट्रस्ट है।

इस ट्रस्ट की ऑडिट न तो राज्य की सरकार करवाती है और न ही इसकी वैधानिक ऑडिट होती है जबकि तिरुपति, शिरडी, काशी विश्वनाथ, पद्मनाभ, वैष्णोदेवी जैसे देश के तमाम प्रतिष्ठित मंदिरों की सरकारी ऑडिट होती है। इसके अलावा वे सभी मंदिर सूचना के अधिकार के दायरे में आते हैं।

लेकिन राममंदिर अकेला मंदिर है जो सूचना के अधिकार के दायरे में नहीं आता है। राष्ट्रीय स्वयं सेवक संघ जिस तरह बिना पंजीयन कराए अपने को दुनिया के सबसे बड़े एनजीओ (प्रधानमंत्री ने लालकिले के संबोधन में ऐसा ही कहा था) के रूप में चला रहा है वैसे ही वह भगवान राम को और उनके मंदिर को चलाना चाहता है। इसी पटकथा के तहत एक निजी ट्रस्ट को उस मंदिर की जिम्मेदारी सौंप दी गई जिसे भारतीय राष्ट्रवाद और भारतीय संस्कृति के सबसे बड़े प्रतीक के रूप में पेश किया गया।

जिसे दुनिया के सबसे लंबे समय तक यानी पांच सौ साल तक चलने वाले आंदोलन की परिणति मानकर बड़ी उपलब्धि के तौर पर गौरवान्वित किया गया लेकिन उसके आर्थिक पक्ष को लेकर पारदर्शिता का नितांत अभाव रखा गया।

दरअसल पारदर्शिता की यह कमी संघ के पूरे चरित्र में है। बिना जवाबदेही के काम करने का उसका सौ साल का अभ्यास है। जब कर्नाटक के गृहमंत्री प्रियंक खड़गे ने उससे पंजीयन के बारे में पूछा तो सर संघचालक का जवाब था कि क्या हिंदू धर्म का पंजीयन हुआ है जबकि राष्ट्रीय स्वयं सेवक संघ का जब गठन हुआ था उसके तकरीबन 60-65 साल पहले भारत में पंजीयन की प्रणाली चालू हो गई थी। रामकृष्ण मिशन उससे काफी पहले बना हुआ संगठन है और उसने पंजीयन करा रखा था।

संघ अक्सर दूसरे धर्म के लोगों, उनके संगठनों और तमाम राजनीतिक दलों को ईमानदार होने, नैतिक होने और देशभक्त होने का उपदेश देता रहता है, उनके दस्तावेज मांगता रहता है, इसलिए उससे यह सवाल स्वाभाविक रूप से बनता है कि आखिरकार उसने राममंदिर के रखरखाव के लिए निजी ट्रस्ट क्यों बनवाया

चूंकि संघ अक्सर दूसरे धर्म के लोगों, उनके संगठनों और तमाम राजनीतिक दलों को ईमानदार होने, नैतिक होने और देशभक्त होने का उपदेश देता रहता है, उनके दस्तावेज मांगता रहता है, इसलिए उससे यह सवाल स्वाभाविक रूप से बनता है कि आखिरकार उसने राममंदिर के रखरखाव के लिए निजी ट्रस्ट क्यों बनवाया और उसकी ऑडिट के लिए सरकारी या वैधानिक व्यवस्था क्यों नहीं होने दी। क्यों नहीं उसने उसे आरटीआई के दायरे में आने दिया?

वास्तव में संघ का चरित्र ही ऐसा है कि वह न तो साधन की पवित्रता में यकीन करता है और न ही किसी घटना और काम की सीधे जिम्मेदारी लेना चाहता है। वह खुलकर राजनीति करता है लेकिन अपने को सांस्कृतिक संगठन बताता है। वह भारत में रहने वाले सभी समुदाय के लोगों को हिंदू ही मानता है लेकिन अपने संगठन में मुसलमानों को शामिल नहीं करता। अपने संगठन की तो छोड़िए उन्हें संसद और विधानसभा में भी जाने का मौका नहीं देता।

वह राम को मर्यादा पुरुषोत्तम मानता है लेकिन राम की एक भी मर्यादा का पालन नहीं करता क्योंकि राम ने अपने पिता का वचन मानकर चौदह वर्ष का वनवास स्वीकार किया। भरत उन्हें मनाने आए और कहा भी कि अयोध्या के राजा आप ही हैं लेकिन राम वापस नहीं लौटे। भरत ने सिंहासन पर उनकी खड़ाऊं रखकर उनके प्रतिनिधि के तौर पर राज किया।

संघ का दोहरापन देखिए कि वे नारीवंदन का अभियान चलाते हैं लेकिन न तो अपने संगठन में स्त्रियों को शामिल करते हैं और न ही सैद्धांतिक तौर पर स्त्रियों को बराबरी का दर्जा देने को तैयार हैं। वे सामाजिक समरसता की बात करते हैं लेकिन

फाइल फोटो

अन्यायपूर्ण वर्णव्यवस्था का विरोध नहीं करते और न ही उसे तोड़ने की बात करते हैं। उनके चरित्र में कथनी और करनी की चौड़ी खाई है।

वे गांधी को पाकिस्तान समर्थक, मुसलमान समर्थक, हिंदू विरोधी बताते हुए अभियान चलाते हैं और जब उसी नफरत के माहौल में गांधी की हत्या हो जाती है तो उसकी जिम्मेदारी लेने से इनकार कर देते हैं क्योंकि उन्हें लग गया कि गांधी की हत्या का कलंक लेकर वे न तो देश में और न ही परदेश में अपनी प्रतिष्ठा अर्जित कर सकते हैं।

पहले वे भारत का संविधान मानने से इनकार करते हैं लेकिन जब उन पर पाबंदी लगती है तो वे गृहमंत्री सरदार पटेल को पत्र लिख देते हैं कि वे संविधान को मानते हैं और वे एक राजनीतिक नहीं बल्कि सांस्कृतिक संगठन हैं। यानी उन्हें गांधी का ब्रांड और संविधान की छतरी तो चाहिए लेकिन गांधी की नैतिकता नहीं चाहिए और न ही संविधान के मूल्य।

उन्हें गीता जैसे ग्रंथ का हवाला देकर अपने को श्रेष्ठ बताने का मौका भी चाहिए लेकिन गीता के निष्काम कर्मयोग से उनका कोई लेना देना नहीं। उनका गीता के ज्ञान योग से भी कोई वास्ता नहीं है और न ही उसके भक्तियोग से। वे भारतीय दर्शन और संस्कृति के चार पुरुषार्थों की बात तो करते हैं लेकिन न तो उन्हें धर्म आधारित अर्थ चाहिए, न ही धर्म आधारित काम चाहिए। अगर वे धर्म आधारित अर्थ के सिद्धांत को मानते तो राममंदिर में घोटाला न होता, न ही अयोध्या में जमीन घोटाला होता और न ही मंदिर निर्माण में। वे अगर धर्म आधारित काम में यकीन करते तो उनकी सरकार के लोग एपस्टीन फाइल में संलिप्त न होते और न ही संघ के आंतरिक जीवन को संदेह की निगाह से देखा जाता।

ऐसे में समाजवादी पार्टी ही नहीं देश की तमाम गैर सांप्रदायिक पार्टियों का यह दायित्व बनता है कि वे पहले हिंदू समाज को अनैतिकता के गर्त से निकालें और उसी के साथ भारतीय समाज को लोकतांत्रिक मूल्यों से सिंचित करें।

राष्ट्रीय स्वयं सेवक संघ ने शाखाओं से माध्यम से, सरस्वती शिशु मंदिरों के नाम से, अपने प्रचार माध्यमों के द्वारा, पहले राज्यों और बाद में केंद्र में सरकार बनाकर, देश के प्रमुख संचार माध्यमों पर कब्जा करके और फिर शैक्षणिक संस्थाओं पर कब्जा करके देश को संविधान के विरुद्ध विद्रोह के लिए

तैयार किया और फिर हिंदू धर्म के उदात्त मूल्यों से च्युत कर दिया।

ऐसे माहौल में यह जरूरी है कि समाजवादी पार्टी यह सोचकर अयोध्या मसले से दूरी न बनाए कि यह संघ और भाजपा की पिच है और उस पर खेलने से वे नुकसान में रहेंगे। समाजवादी पार्टी या कांग्रेस पार्टी या कोई भी गैर सांप्रदायिक पार्टी इस देश में तब तक कामयाब नहीं हो सकती जब तक वह हिंदू समाज को नैतिक न बनाए और पूरे भारतीय समाज को संवैधानिक मूल्यों के लिए लड़ने को तैयार न कर दे।

यहां धर्म और राजनीति के आपसी रिश्तों को फिर से परिभाषित किए जाने की जरूरत है। समाजवादियों के पास डॉ राम मनोहर लोहिया का वह मशहूर कथन और इस रिश्ते की अद्वितीय व्याख्या मौजूद है जिसे लेकर वे अपनी लड़ाई लड़ सकते हैं और इस मैदान मैं विजय हासिल कर सकते हैं।

डॉ लोहिया ने कहा था कि धर्म दीर्घकालीन राजनीति है और राजनीति अल्पकालीन धर्म। धर्म अच्छाई की स्थापना करता है और राजनीति बुराई से लड़ती है। लेकिन किसी एक धर्म को किसी एक राजनीति से कभी नहीं मिलाना चाहिए। वरना धर्म भ्रष्ट हो जाता है और राजनीति कलही हो जाती है।

दुर्योग से भारत में संघ परिवार के नेतृत्व में ऐसा ही किया गया है। संघ ने एक धर्म को एक खास राजनीति से मिला दिया और उसी के साथ धर्म भ्रष्ट हो गया और राजनीति कलही हो गई। इसलिए दोनों को अलग करते हुए दोनों को उसके उच्च आदर्शों में ले जाने की जरूरत है।

अयोध्या में राम मंदिर के चढ़ावा घोटाले का एक आयाम है अयोध्यावासी बनाम अयोध्यावादी का। सनातनी हिंदू बनाम संघी हिंदू का । संघ परिवार और उनके मंदिर आंदोलन के अयोध्यावादियों ने अयोध्यावासियों की नहीं सुनी वरना वहां राम मंदिर का निर्माण भी हो गया होता और बाबरी मस्जिद के ध्वंस जैसा कांड भी न होता।

अयोध्यावासी इसके स्थानीय समाधान के लिए दोनों पक्षों को राजी कर चुके थे। लेकिन संघ को मंदिर से अधिक आवश्यकता देश को सांप्रदायिक बनाकर केंद्र में अपनी सरकार बनानी थी और धीरे धीरे हिंदू धर्म और उसके सभी धार्मिक स्थलों पर अपना कब्जा जमाना था। आज राम मंदिर में हुए घोटाले और उस पर लीपापोती के बाद वे सारे साधु संत नाराज हैं जो राम की भक्ति चाहते हैं लेकिन राम के नाम पर धंधा और राजनीति नहीं करना चाहते।

आज हिंदू समाज और हिंदू धर्म की नैतिक रक्षा का दायित्व भी समाजवादी पार्टी पर आ गया है। डॉ राम मनोहर लोहिया ने हिंदू बनाम हिंदू में कहा है कि इस देश में उदार हिंदू और कट्टर हिंदू की लड़ाई पांच हजार साल से चल रही है। लेकिन उसका अंत हुआ नहीं है। इसी तरह उन्होंने निराशा के कर्तव्य में यह भी कहा है कि इस देश के लोग अंदरूनी अत्याचारी शासकों से नहीं लड़ते।

लोहिया की सोच और जिंदा कौमों को पांच साल इंतजार न करने के आह्वान पुकार रहे हैं। समाजवादी पार्टी और दूसरे गैर सांप्रदायिक और लोकतांत्रिक दलों के पास बेहतर मौका है कि वे झूठ और अन्याय पर खड़े भ्रष्ट धर्म और कलही राजनीति की इमारत को गिराकर अच्छाई और सच्चाई पर आधारित नया समाज बनाएं।

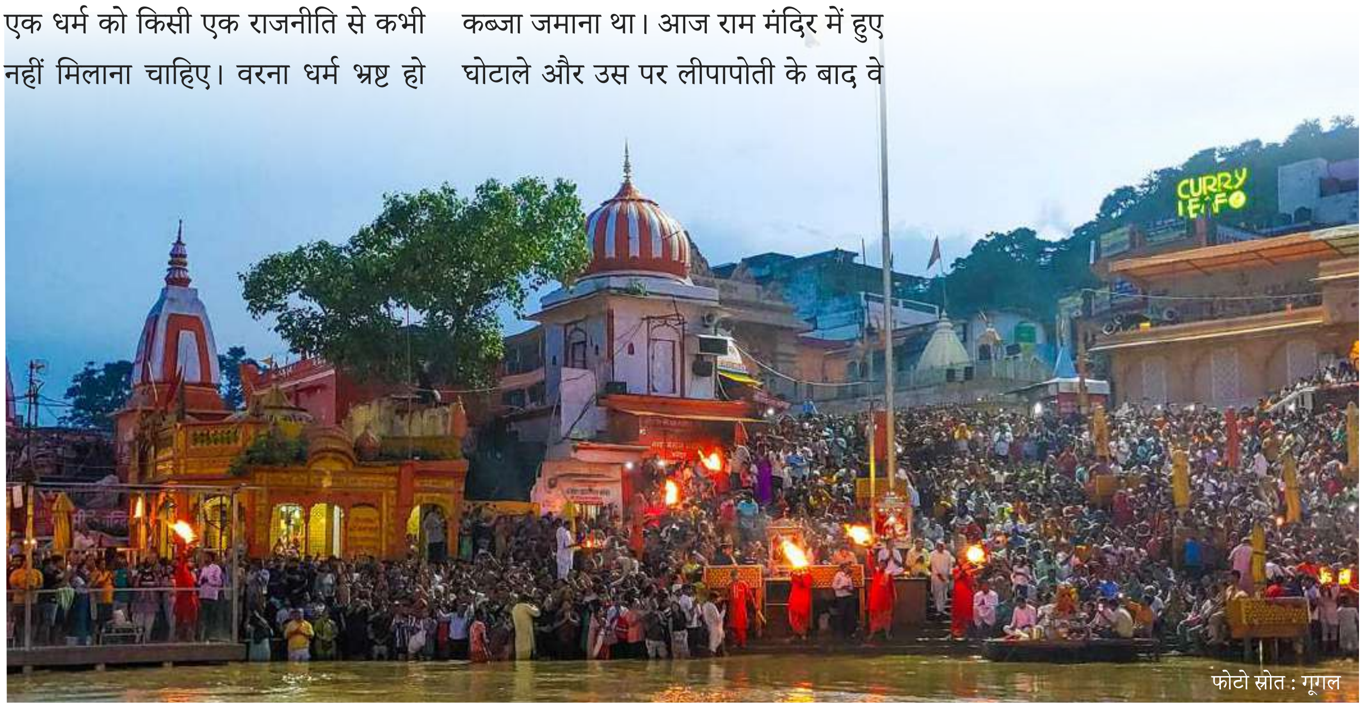

फोटो स्रोत : गूगल

...इसलिए पहले अन्याय को समाप्त करना होगा!

जयशंकर पाण्डेय

डॉ राम मनोहर लोहिया ने कहा था कि जिंदा कौमें पांच साल इंतजार नहीं करतीं लेकिन भारत में 3 साल बाद इंतजार के पंद्रह साल पूरे होने वाले हैं। इस इंतजार ने धर्म, राजनीति, आर्थिकी, न्याय, संचार सभी मानव व्यापार से जुड़ी संस्थाओं को पतन के गर्त में पहुंचा दिया है। अयोध्या में राम मंदिर में भगवान के नाम पर होने वाली लूट से फर्जी दावों का असली चेहरा बेनकाब हो चुका है।

अर्थव्यवस्था का पतन किसी से छुपा नहीं है और संचार साधनों का झूठ भी हर किस्म की सच्चाई को डुबो रहा है। पंजाबी के शहीद कवि अवतार सिंह पाश ने लिखा है कि सबसे खतरनाक होता है हमारे सपनों का मर जाना।

आज वे सपने किसानों, मजदूरों और कर्मचारियों के ही नहीं उन युवाओं के भी मर गए हैं जो देश का भविष्य होते हैं। उनकी परीक्षाएं धांधली का शिकार हैं। विरोध करने पर उन्हें देशद्रोही बताया जा रहा है।

ऐसी स्थितियों के लिए ही डॉ. लोहिया ने निराशा के कर्तव्य जैसा प्रसिद्ध व्याख्यान दिया था। जहां वे घरेलू स्तर पर जड़ जमा कर बैठी सामाजिक और आर्थिक गैरबराबरी से चिंतित थे, वहीं वह अन्यायी शासकों से भी नाराज थे।

उनकी चिंता का कारण अंतरराष्ट्रीय स्तर पर असमानता और दमन शोषण की स्थितियां थीं जिनके कारण राष्ट्रों में हथियार जमा करने की प्रवृत्ति होती है और वे युद्ध की ओर प्रवृत्त होते हैं। इसीलिए उन्होंने जहां घरेलू अन्यायी शासकों के विरुद्ध विद्रोह का आह्वान किया था वहीं संयुक्त राष्ट्र से अलग अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर एक विश्व सरकार की परिकल्पना प्रस्तुत की थी।

लोहिया जब अंतरराष्ट्रीय स्तर से लेकर आंतरिक पुलिस व्यवस्था तक हथियारों को समाप्त करने की बात करते थे तो साथ में यह भी कहते थे कि जब तक अन्याय रहेगा तब तक हथियार रहेंगे इसलिए पहले अन्याय को समाप्त करना होगा।

अन्याय से लड़ने का विचार सिर्फ डॉ. लोहिया का ही नहीं था। संवैधानिक मार्ग पर चलने का सुझाव देने वाले डॉ. भीमराव अंबेडकर भी समय-समय पर आंदोलन और सत्याग्रह का सुझाव देते रहते थे।

अंबेडकर ने संविधान सभा में कहा था कि अब देश को एक संविधान मिल गया है और अब राजसत्ता को बिना रक्तपात किए

बदलने का अधिकार जनता के हाथ में आ गया है। वह हर पांच साल पर चाहे तो वैसा कर सकती है लेकिन उन्हें भी यह आशंका थी कि संविधान कितना भी अच्छा हो अगर उसे चलाने वाले अच्छे नहीं हैं तो वह बेकार है।

आजादी की लड़ाई के साथ हमारे पुरखे जब नया राष्ट्र स्थापित कर रहे थे तो यह सवाल आया था कि अगर शासक स्वेच्छाचारी हो जाए तो जनता को क्या करना चाहिए। तब, महात्मा गांधी ने कहा था कि "सच्चा स्वराज तभी आएगा जब सत्ता का दुरुपयोग करने वाले मुट्ठी भर लोगों के विरुद्ध जनता में प्रतिरोध करने की क्षमता विकसित की जाए यानी सच्चा स्वराज तभी आएगा जब जनता को इस बात की शिक्षा दी जाए कि सत्ता का कैसे नियमन और नियंत्रण किया जाए।"

पिछले दिनों परिसीमन बिल लोकसभा में गिर जाने के बाद भाजपा, क्षेत्रीय पार्टी को जिनके सहारे दिल्ली में सत्ता प्राप्त की थी, उन्हें तोड़कर अपनी सत्ता को मजबूत करने में जुट गई।

वह आपरेशन लोटस के तहत किसी भी कीमत पर दो तिहाई बहुमत प्राप्त कर सीबीआई, ईडी, चुनाव आयोग और मीडिया को सत्ता अनुकूल करके देश की राजनीति को अपनी मुठी में कर लेना चाहती है।

डॉ लोहिया ने कहा था कि राजनीति अल्पकालिक धर्म है और धर्म दीर्घकालिक राजनीति है लेकिन भाजपा ने आज दोनों को एक में मिला दिया है।चूंकि राजतंत्र में सत्ता परिवर्तन का विकल्प नहीं था इसलिए अन्याय से मुक्त होने के लिए ऐसा सुझाव दिया गया है जबकि लोकतंत्र में बिना रक्तपात के शासकों के बदले जाने की व्यवस्था है इसलिए वहां अहिंसक उपाय ही श्रेयष्कर हैं लेकिन जब वैसी संभावना समाप्त हो जाए और चुनाव आयोग पक्षपाती हो जाए और चुनाव संदेहास्पद हो जाए तो क्या करना चाहिए?

इन स्थितियों से निपटने के लिए अगर डॉ लोहिया ने निरंतर आंदोलन की बात की है तो जयप्रकाश नारायण ने गैर दलीय राजनीति का सुझाव दिया है। आज जब संपूर्ण विपक्ष के अस्तित्व पर ही खतरा पैदा हो गया है और चुनाव प्रणाली से सत्ता परिवर्तन का मार्ग एकदम बंद हो चुका है तो राजनीतिक दलों के सामने जनता के पास जाने और उनसे असहयोग के मार्ग पर चलने का आह्वान करने के अलावा विकल्प क्या है?

स्वयं विनोबा भावे, जिन पर यह आरोप लगाया जाता है कि उन्होंने इमरजेंसी को अनुशासन पर्व कहकर उसका समर्थन किया था, ने भी अन्याय के विरुद्ध सत्याग्रह का आह्वान किया है। उन्होंने कहा- लोकसत्ता कहीं गहरा अन्याय कर बैठे, मूढ़ हो बैठे और सत्पुरुषों को लगे कि अन्याय हो रहा है तो सत्याग्रह की आवश्यकता होगी।

डॉ. लोहिया ने कहा है, "भूख या बड़े पैमाने की बर्खास्तगी आदि से पीड़ित जनता के लिए यह भी जरूरी नहीं है वह संसद पर निर्भर रहे या अगले चुनावों की प्रतीक्षा करे। उसके पास बेशकीमती और बेजोड़ हथियार सिविल नाफरमानी का रहेगा, जब अन्याय और अत्याचार बर्दाश्त की सीमा के बाहर हो जाता है।

जब संवैधानिक उपाय कष्ट निवारण के रूप में असमर्थ सिद्ध होंगे तो जनता के पास अन्यायपूर्ण कानूनों और अत्याचारों के खिलाफ अवज्ञा या सिविल नाफरमानी का रास्ता खुला रहेगा।"

डॉ. लोहिया इससे आगे की जो बात करते हैं वह राजनीतिक दलों को एक अनिवार्य आदेश के रूप में लेना चाहिए। डॉ. लोहिया कहते हैं, "सत्याग्रह हथियार के रूप में तब तक रहेगा जब तक अन्याय या अत्याचार रहेगा और इसे रहना भी चाहिए क्योंकि यदि यह नहीं रहेगा तो गोली या बंदूक रहेगी। अन्याय और अत्याचार के रूप में जब वे असह्य हो जाते हैं तो विकल्प गोली और सिविल नाफरमानी के बीच ही बचता है।"

स्पष्ट रूप से डॉ. लोहिया का यह कथन विपक्ष के लिए सुझाव है कि वे या तो सिविल नाफरमानी के रास्ते पर उतरें नहीं तो देश गोली या बंदूक के रास्ते पर चला जाएगा। गोली या बंदूक किसी भी शासक को अल्पकालिक सुरक्षा तो प्रदान कर सकती है लेकिन दीर्घकालिक सुरक्षा महाजनता ही प्रदान करती है। लोकतंत्र के माध्यम से सत्ता शीर्ष पर बैठने वालों को महाकवि रामधारी सिंह दिनकर की इन पक्तियों को हमेशा याद रखना चाहिए।

जिन हाथों में शक्ति भरी है
राजतिलक करने की,
उन हाथों में शक्ति निहित है सर
उतार लेने की ॥

(लेखक पूर्व विधायक व उप्र समाजवादी पार्टी के महासचिव हैं)

बुलेटिन ब्यूरो

समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री अखिलेश यादव का 53वां जन्मदिन 1 जुलाई को देश-प्रदेश में करोड़ों पार्टी कार्यकर्ताओं द्वारा हर्षोल्लासपूर्ण वातावरण में शंखनाद, ढोल नगाड़ों की धुन, डमरू वादन और संगीत की स्वरलहरियों के बीच मनाया गया।

देश भर से समाजवादी पार्टी सहित विभिन्न दलों के नेताओं और समाज के हर तबके के लोगों ने श्री अखिलेश यादव को अलग-अलग माध्यमों से जन्मदिन की बधाई और शुभकामनाएं दीं। श्री यादव के जन्मदिन पर संकल्प लिया गया कि 2027 में उन्हें उत्तर प्रदेश का मुख्यमंत्री बनाना है क्योंकि प्रदेश की खुशहाली के लिए वहीं एकमात्र विकल्प हैं।

समाजवादी पार्टी राज्य मुख्यालय, लखनऊ में श्री अखिलेश यादव को जन्मदिन की बधाई और शुभकामनाएं देने के लिए हजारों कार्यकर्ताओं की भीड़ उमड़ पड़ी।

उनके निवास से पार्टी कार्यालय तक आने में अखिलेश जी को रोककर कई जगह स्वागत हुआ और उन पर गुलाब की पंखुड़ियों की वर्षा की गई। लोगों ने बुके, पौधे तथा अन्य स्मृतिचिह्न भेंटकर श्री अखिलेश यादव को जन्मदिन की हार्दिक बधाई और शुभकामनाएं दीं।

इस अवसर पर बड़ी संख्या में आये नेताओं, सांसदों, विधायकों, कार्यकर्ताओं और समाज के सभी वर्ग के लोगों ने श्री अखिलेश यादव को जन्मदिन की बधाई दी।

श्री अखिलेश यादव ने समर्थकों, शुभचिंतकों द्वारा उनके प्रति प्रदर्शित प्रेम और सम्मान के लिए सभी का आभार व्यक्त किया। उन्होंने इस मौके पर भंडारा, रक्तदान तथा अन्य कार्यक्रमों के आयोजकों को धन्यवाद दिया।

श्री अखिलेश यादव के जन्मदिन पर देश और प्रदेश में कई स्थानों पर केक काट काटा गया, पौधारोपण के साथ मिष्ठान, फल, गरीबों को अन्नदान, भंडारे आदि के आयोजन किए गए। अस्पतालों में मरीजों को फल बांटे गए। दीर्घायु के लिए हवन-पूजन के कार्यक्रम भी हुए।

जन्मदिन पर संकल्प अखिलेश ही विकल्प

किन्नर पायल सिंह ने श्री अखिलेश यादव को मुख्यमंत्री बनने का आशीर्वाद दिया। लखनऊ के पूर्व जिला पंचायत अध्यक्ष विजय बहादुर यादव ने प्रदेश कार्यालय में विशाल भंडारा का आयोजन किया। प्रदेश कार्यालय के बाहर नगर निगम पार्षद दल के उपनेता देवेन्द्र सिंह जीतू द्वारा आयोजित भंडारे और लड्डू वितरण का उद्घाटन राष्ट्रीय सचिव श्री राजेन्द्र चौधरी और प्रदेश अध्यक्ष श्री श्याम लाल पाल ने किया।

लखनऊ व्यापार मंडल के वरिष्ठ प्रमुख महामंत्री पवन मनोचा ने इंडोर अस्पताल फतेली चौराहा, कैंट रोड में मरीजों में डेढ़ सौ टोकरी फल बांटे। निराला नगर बाल्मीकि बस्ती में श्री अखिलेश यादव जी का जन्म दिन मनाया गया। समाजवादी चौरसिया समाज ने आनन्द चौरसिया प्रदेश सचिव पिछड़ा वर्ग प्रकोष्ठ के नेतृत्व में जन्म दिवस के अवसर पर पीडीए पान, पीडीए पान का पौधा बांटकर जन्मदिन मनाया।

सुल्तानपुर लम्भुआ के पूर्व विधायक संतोष पाण्डेय ने दृष्टि फाउण्डेशन जानकीपुरम में जाकर मंदित बच्चों को टिफिन बॉक्स और मिठाई वितरित की। पूर्व मंत्री अरविन्द सिंह गोप के नेतृत्व में हनुमान सेतु लखनऊ में हवन पूजन कर श्री अखिलेश यादव के दीर्घायु की कामना की गई और प्रसाद वितरित किया गया।

विधानसभा प्रत्याशी रहे सोनू कनौजिया ने मलिहाबाद सीएचसी एवं काकोरी सीएचसी

में मरीजों, तीमारदारों एवं स्टाफ में फल वितरित किया।

समाजवादी महिला सभा की राष्ट्रीय उपाध्यक्ष वन्दना चतुर्वेदी ने लखनऊ में खेत खलिहान के मजदूरों के साथ नीम, पीपल, बरगद, बेलपत्र तुलसी, पपीता आदि के पौधे लगाए।

महात्मा गांधी काशी विद्यापीठ वाराणसी परिसर में समाजवादी छात्र सभा के प्रदेश अध्यक्ष विनात कुशवाहा के निर्देश पर पौधारोपण किया गया। शोहरतगढ़ के बढ़नी ब्लाक के राजकीय कालेज भरूआ में मणीन्द्र मिश्र के नेतृत्व में 53 पौधों का पौधारोपण किया गया। विधानसभा रामकोला कुशीनगर में युवा नेता रवि कुमार व श्रीनिवास यादव ने 53 छायादार और फलदार वृक्ष का पौधारोपण किया।

समाजवादी अधिवक्ता सभा ने उच्च न्यायालय लखनऊ के परिसर में पौधारोपण कर एवं केक काटकर जन्म दिन मनाया। इस अवसर पर मुख्य रूप से अधिवक्ता सभा के राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री कृष्ण कन्हैया पाल समेत बड़ी संख्या में अधिवक्ता मौजूद रहे।

मुस्लिम पसमांदा समाज लखनऊ के कार्यालय में डॉ. मरगूब कुरैशी ने केक काटाकर सपा मुखिया का जन्मदिन मनाया। समाजवादी पार्टी उत्तराखंड के प्रदेश कार्यालय, देहरादून में कार्यकारी प्रदेश अध्यक्ष महंत शुभमगिरी की अध्यक्षता में राष्ट्रीय अध्यक्ष जी का जन्मदिन सेवा भाव से मनाया गया।

“ जनता की उम्मीदों पर खरा उतरेंगे

बुलेटिन ब्यूरो

समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं पूर्व मुख्यमंत्री श्री अखिलेश यादव ने जन्मदिन पर शुभकामनाओं के लिए सभी कार्यकर्ताओं, नेताओं समर्थकों और शुभचिंतकों का आभार प्रकट करते हुए धन्यवाद किया।

उनके जन्मदिन के अवसर पर उमड़े जनसमुदाय को संबोधित करते हुए श्री अखिलेश यादव ने कहा कि देश और प्रदेश की जनता को समाजवादी पार्टी से बड़ी उम्मीदें हैं। उनकी उम्मीदों पर खरा उतरना हमारी जिम्मेदारी है। आज हम संकल्प लेते हैं कि प्रदेश की जनता को नई सरकार देंगे।

उन्होंने कहा कि प्रदेश की समस्याओं का समाधान करेंगे। पीडीए समाज का सम्मान होगा। सामाजिक न्याय का राज होगा। समाजवादी सरकार में प्रेम, दया, अपनापन से समाज का कल्याण किया जाएगा। अयोध्या, नैमिषारण्य समेत अन्य तीर्थ स्थलों से आएं साधु-संतों, महंतों एवं विभिन्न धर्मगुरूओं ने आशीर्वाद दिया है। प्रभु श्रीराम ने रास्ता दिखा दिया है।

श्री अखिलेश यादव को जन्मदिन के अवसर पर राष्ट्रीय महासचिव श्री शिवपाल सिंह यादव, नेता विरोधी दल श्री माता प्रसाद पाण्डेय, पूर्व मंत्री एवं एमएलसी श्री बलराम यादव, राजेन्द्र चौधरी, प्रदेश अध्यक्ष श्री श्याम लाल पाल, सांसदगण सर्वश्री धर्मेन्द्र यादव, आरके चौधरी, बाबू सिंह कुशवाहा, सनातन पाण्डेय, राम भुआल निषाद, लक्ष्मीकान्त उर्फ पप्पू निषाद, पूर्व सांसद श्री पीएल पूनिया, श्रीमती कौसरइजहां, पूर्व मंत्री एवं विधायक रविदास मेहरोत्रा, विधायकगण सर्वश्री दुर्गा प्रसाद यादव, संग्राम यादव, नफीस अहमद, सुरेश यादव, जासमीर अंसारी, श्रीमती पूजा सरोज, सचिन यादव, अतुल प्रधान, डॉ. रागिनी सोनकर, आशु मलिक, मुकुल यादव, पूर्व मंत्री अरविन्द सिंह गोप, अम्बिका चौधरी, ब्रह्माशंकर त्रिपाठी, अभिषेक मिश्रा, राम आसरे विश्वकर्मा, पूर्व मंत्री दयाराम प्रजापति, पूर्व एमएलसी उदयवीर सिंह, सुनील सिंह साजन, डॉ. राजपाल कश्यप, डॉ. मधु गुप्ता, श्रीमती कान्ती सिंह, श्रीमती लीलावती कुशवाहा,श्रीमती सीमा राजभर, श्रीमती रुक्मिणी निषाद समेत हजारों की संख्या में कार्यकर्ताओं और नेताओं और समर्थकों ने राष्ट्रीय अध्यक्ष जी को जन्मदिन की बधाई और शुभकामनाएं दीं। ”

पूर्वांचल दौरे का संदेश

आ रहे हैं अखिलेश

बुलेटिन ब्यूरो

पश्चिमी से पूरब तक समाजवादी पार्टी के पक्ष में माहौल बन चुका है और स्पष्ट जनादेश है कि 2027 में समाजवादी सरकार बनने जा रही है।

पश्चिमी उत्तर प्रदेश के दौरों में उमड़े समर्थन के बाद समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री अखिलेश यादव पूर्वांचल दौरे पर निकले तो वहां भी उन्हें व्यापक समर्थन मिला। प्रयागराज हो या फिर आज़मगढ़, हर तरफ श्री अखिलेश यादव के समर्थन में भीड़ उमड़ पड़ी। भीड़ का उत्साह बता रहा था कि जनता अब श्री अखिलेश यादव की सरकार बनाने के लिए इंतजार नहीं करना चाहती। लोगों में भाजपा सरकार के खिलाफ गुस्सा था तो श्री अखिलेश यादव से उम्मीदें।

उत्तर प्रदेश के जिलों में पहुंचने पर श्री अखिलेश यादव को मिलने वाला जन समर्थन यह गवाही दे रहा है कि लोग समाजवादी सरकार बनाने को पूरी तरह तैयार हैं और उन्हें 2027 का बेसब्री से इंतजार है।

श्री यादव से यह उम्मीदें यूं हीं नहीं हैं, 2012 से 2017 की समाजवादी सरकार के कामकाज को यूपी ही नहीं देश देख चुका है। श्री अखिलेश सरकार के विजन को अन्य राज्यों ने अपने यहां अपनाया जो गवाह है

कि श्री यादव के पास विज़न है।

27 जून को श्री यादव एक वैवाहिक कार्यक्रम में शामिल होने आजमगढ़ पहुंचे थे। वहां जिस तरह उनका भव्य स्वागत हुआ, भीड़ उमड़ी, पक्ष में नारे लगाए, वह बता रहे थे कि पूर्वांचल में समाजवादी पार्टी के पक्ष में हवा बह रही है। 28 व 29 जून को प्रयागराज दौरे के दौरान भी ऐसा ही मंजर देखने को मिला।

आजमगढ़ में पत्रकारों से मुखातिब होते हुए समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री अखिलेश यादव ने कहा कि प्रदेश की जनता भाजपा को सत्ता से हटाने जा रही है। भाजपा सरकार में महंगाई, बेरोजगारी, भ्रष्टाचार चरम पर है। हर तरफ लूट मची है। इस सरकार में पीडीए का आरक्षण छीना गया। भाजपा को दस साल की सरकार का हिसाब देना होगा।

गाजीपुर के किसानों के साथ सपा मुखिया ने किया वर्चुअल संवाद

बुलेटिन ब्यूरो

समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री अखिलेश यादव के जन्मदिवस के अवसर पर समाजवादी लोहिया वाहिनी द्वारा जनपद गाजीपुर के खालिसपुर बवाड़ा गांव में आयोजित ऐतिहासिक कार्यक्रम में किसानों द्वारा लगभग 6 लाख वर्गफुट क्षेत्र में मक्का की बुवाई कर उनकी भव्य आकृति तैयार की गई। अपनी तरह का यह देश का पहला और अनूठा आयोजन रहा जिसमें किसानों ने अपने खेतों के माध्यम से राष्ट्रीय अध्यक्ष जी के प्रति सम्मान, विश्वास और समर्थन व्यक्त किया।

कार्यक्रम के दौरान 2 जुलाई को राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री अखिलेश यादव ने किसानों एवं नौजवानों से वर्चुअल संवाद किया। उन्होंने इस अभिनव आयोजन के लिए आयोजकों, समाजवादी लोहिया वाहिनी के पदाधिकारियों एवं विशेष रूप से कार्यक्रम के संयोजक अभिषेक यादव एवं उनकी पूरी टीम की सराहना करते हुए कहा कि इस आयोजन ने समाजवादी आंदोलन की जिम्मेदारियों को और बढ़ा दिया है।

श्री अखिलेश यादव ने इस ऐतिहासिक कार्यक्रम के लिए अपनी भूमि उपलब्ध कराने वाले किसानों का विशेष रूप से धन्यवाद ज्ञापित करते हुए कहा कि गाजीपुर की धरती किसानों और जवानों की धरती है और समाजवादी पार्टी हमेशा किसानों एवं नौजवानों के हितों के लिए संघर्ष करती रहेगी। इस तरह से जन्मदिन मनाकर मेरे ऊपर और बड़ी जिम्मेदारी दे दी है।

संवाद करते हुए उन्होंने कहा कि समाजवादी सरकार बनने पर किसानों के कल्याण के लिए जो भी आवश्यक होगा, वह किया जाएगा। उन्होंने गंगा कटान से प्रभावित किसानों की समस्याओं का उल्लेख करते हुए कहा कि समाजवादी पार्टी किसानों के दर्द को समझती है और सरकार बनने पर गंगा कटान से प्रभावित परिवारों की हर संभव सहायता एवं स्थाई समाधान की दिशा में कार्य करेगी।

श्री अखिलेश यादव ने नौजवानों को संबोधित करते हुए कहा कि गाजीपुर बलिदानियों की धरती है, जिसने देश को बड़ी संख्या में वीर सैनिक दिए हैं। उन्होंने कहा कि समाजवादी पार्टी की सरकार बनने पर सेना की भर्तियां पूर्व की भांति नियमित रूप से शुरू की जाएगी और युवाओं के भविष्य के साथ किसी प्रकार का खिलवाड़ नहीं होने दिया जाएगा।

इस अवसर पर बड़ी संख्या में पार्टी के वरिष्ठ नेता, कार्यकर्ता, किसान, नौजवान एवं समाजवादी लोहिया वाहिनी के पदाधिकारी उपस्थित रहे। कार्यक्रम में किसानों एवं नौजवानों ने राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री अखिलेश यादव के संदेश को उत्साहपूर्वक सुना और समाजवादी विचारधारा को मजबूत करने का संकल्प लिया।

श्री अखिलेश यादव ने कहा कि जनता प्रदेश में समाजवादी पार्टी की सरकार बनाने जा रही है। पीडीए की सरकार में सामाजिक न्याय के राज की स्थापना होगी। उत्तर प्रदेश को खुशहाली के रास्ते पर ले

श्री अखिलेश यादव ने कहा कि अयोध्या में प्रभु श्रीराम मंदिर में चढ़ावा चोरी निन्दनीय और चिंताजनक है।

उन्होंने कहा कि इस घटना से देश की जनता दुःखी है। चोरी की खबर आने के बाद सरकार को एसआईटी बनानी पड़ी। एसआईटी बनी लेकिन उसकी रिपोर्ट जिसे सौंपी गयी वह एक प्रश्नचिह्न है।

श्री यादव ने कहा कि भाजपा के लिए धन ही धर्म है। लोगों की आस्था के साथ खिलवाड़ हुआ है। प्रदेश के मुख्यमंत्री अयोध्या दौरे का विश्वरिकार्ड बना रहे थे। हर सप्ताह अयोध्या जा रहे थे। आखिर उनका सूचना तंत्र कहां था? उन्हें चढ़ावा चोरी की जानकारी क्यों नहीं हुई? अयोध्या समेत पूरे प्रदेश में हो रहे भ्रष्टाचार की जानकारी मुख्यमंत्री जी को क्यों नहीं हो रही है? इन लोगों ने आस्था के साथ खिलवाड़ किया है। प्रभु श्रीराम इन्हें माफ नहीं करेंगे।

श्री यादव ने पंचायत चुनाव को लेकर हाईकोर्ट की टिप्पणी पर कहा कि जो सरकार नवम्बर में विधानसभा चुनाव कराने का प्रोपेगंडा फैला रही है वह प्रधानी का चुनाव नहीं करा पाई। जो वन नेशन वन इलेक्शन की बात कर रहे थे, वे प्रधानी का चुनाव नहीं करा सके। भाजपा सरकार ने प्रधानों का खर्चा बढ़ा दिया। अब जब तक चुनाव नहीं होगा, प्रधानों को तब तक पैसा खर्चा करना होगा।

शंकराचार्य से मिले अखिलेश गौ संरक्षण पर हुई गहन चर्चा

बुलेटिन ब्यूरो

समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री अखिलेश यादव ने 9 जुलाई को लखनऊ में ज्योतिषपीठाधीश्वर एवं द्वारका शारदा पीठ के शंकराचार्य पूज्य स्वामी अविमुक्तेश्वरानंद सरस्वती जी महाराज से शिष्टाचार भेंट कर उनका आशीर्वाद प्राप्त किया। इस दौरान गौ संरक्षण, सनातन परंपराओं, सामाजिक सरोकारों तथा समसामयिक राष्ट्रीय विषयों पर विस्तार से चर्चा हुई।

इन दिनों पूज्य शंकराचार्य जी उत्तर प्रदेश में गौ संरक्षण, गौवंश के सम्मान तथा सनातन मूल्यों के प्रति जनजागरण के उद्देश्य से संचालित अपनी गविष्ठि (गो-रक्षार्थ धर्मयुद्ध) यात्रा के क्रम में विभिन्न जनपदों का भ्रमण कर रहे हैं।

इस यात्रा के माध्यम से वे गौ संरक्षण को जनआंदोलन बनाने, गौवंश की सुरक्षा सुनिश्चित करने, गौहत्या पर प्रभावी रोक लगाने तथा गौ सेवा एवं सनातन परंपराओं के संरक्षण के लिए समाज में व्यापक जागरुकता का आह्वान कर रहे हैं।

इसी क्रम में लखनऊ प्रवास के दौरान श्री अखिलेश यादव ने उनसे भेंट कर आशीर्वाद प्राप्त किया तथा गौ संरक्षण, सनातन परंपराओं और समसामयिक विषयों पर विस्तार से चर्चा की।

इस दौरान मीडिया से बातचीत करते हुए श्री अखिलेश यादव ने कहा कि शंकराचार्य जी गौ माता की स्थिति को लेकर अत्यंत चिंतित हैं। उन्होंने कहा कि गौ संरक्षण केवल राजनीतिक नारा नहीं बल्कि भारतीय

संस्कृति और सनातन परंपरा का महत्वपूर्ण विषय है जिस पर गंभीरता से कार्य किए जाने की आवश्यकता है।

श्री अखिलेश यादव ने कहा कि भारतीय जनता पार्टी के लिए धर्म नहीं बल्कि धन और वोट प्राथमिकता है। भाजपा अपने राजनीतिक हितों के अनुसार धार्मिक मुद्दों पर अपना रुख बदलती रहती है। उन्होंने कहा कि आज पूरी दुनिया के सनातनी इस बात से चिंतित हैं कि जिस प्रकार अयोध्या में प्रभु श्रीराम की मर्यादा और धार्मिक आस्थाओं को राजनीतिक स्वार्थ से जोड़ा गया है, उससे लोगों की भावनाएं आहत हुई हैं।

विशेष जांच दल (एसआईटी) की जांच पर सवाल उठाते हुए श्री अखिलेश यादव ने कहा कि इस जांच की निष्पक्षता पर भी प्रश्नचिह्न खड़े हो रहे हैं। उन्होंने कहा कि ऐसी जानकारी सामने आई है कि एसआईटी के एक सदस्य के विरुद्ध भी धोखाधड़ी का मुकदमा दर्ज है। ऐसे में पूरे मामले की जांच पर जनता का विश्वास बनाए रखने के लिए पारदर्शी कार्रवाई आवश्यक है।

श्री यादव ने कहा कि यह केवल किसी एक प्रकरण की जांच नहीं बल्कि सत्ता के विभिन्न केंद्रों के बीच टकराव का मामला भी प्रतीत होता है। उन्होंने कहा कि लोकतंत्र में राजनीतिक प्रतिद्वंद्विता के नाम पर प्रतिशोध की राजनीति नहीं होनी चाहिए। आज जो सत्ता में हैं, उन्हें यह नहीं भूलना चाहिए कि लोकतंत्र में सत्ता परिवर्तन होता रहता है।

राम मंदिर प्रकरण पर श्री अखिलेश यादव ने कहा कि पूरी व्यवस्था में आवश्यक सुधार किए जाने चाहिए, क्योंकि इस पूरे घटनाक्रम से सनातन धर्म को मानने वाले करोड़ों लोग आहत हुए हैं।

उन्होंने प्रदेश सरकार पर निशाना साधते हुए कहा कि वर्तमान सरकार ने जनता को महंगाई, बेरोजगारी और परेशानियां दी हैं। किसानों को समय पर खाद उपलब्ध नहीं हो रही है और उन्हें अपनी उपज का उचित मूल्य भी नहीं मिल रहा है। उन्होंने एथेनॉल में मिलावट के मुद्दे को भ्रष्टाचार का नया स्वरूप बताते हुए कहा कि इससे किसानों और आम जनता दोनों के हित प्रभावित हो रहे हैं।

श्री अखिलेश यादव ने विश्वास व्यक्त किया कि प्रदेश की जनता आगामी चुनाव में इन सभी मुद्दों का गंभीरता से आकलन करेगी और लोकतांत्रिक तरीके से अपना निर्णय देगी।

सिख समाज सद्भाव का संदेश वाहक -अखिलेश

बुलेटिन ब्यूरो

समाज का हर तबका समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री अखिलेश यादव के साथ मजबूती से खड़ा हो गया है और 2027 में समाजवादी सरकार बनाने का संकल्प लेकर आशीर्वाद भी दे रहा है।

सर्वसमाज के साथ आने से स्पष्ट हो चुका है कि अब भाजपा सरकार की विदाई तय हो चुकी है और श्री अखिलेश यादव की ताजपोशी के लिए समाज इंतजार कर रहा है।

पीलीभीत जनपद से 6 अप्रैल 2026 को शुरू हुई समाजवादी सिख सामाजिक न्याय यात्रा का 2 जुलाई को लखनऊ में समापन हुआ। समापन पर सिख समाज ने समाजवादी पार्टी की सरकार बनाने का संकल्प दोहराया। इस यात्रा ने लोकतंत्र को बचाने और समाजवादी सरकार लाने की अपील को घर-घर, गांव-गांव तक पहुंचाने का काम किया।

समाजवादी पार्टी के राज्य मुख्यालय में भारी संख्या में जुटे सिख समाज के प्रतिनिधियों ने श्री अखिलेश यादव को कृपाण, सरोपा तथा स्मृति चिन्ह देकर सम्मानित किया और 2027 में उन्हें प्रदेश का पुनः मुख्यमंत्री बनाने का संकल्प लिया। साथ ही उनके दीर्घायु जीवन की कामना की।

सिख सामाजिक न्याय यात्रा के समापन समारोह को संबोधित करते हुए श्री अखिलेश यादव ने कहा कि सिख समाज सद्भाव का संदेश वाहक है। सिख बहादुर कौम है। उनका इतिहास बहादुरी का है। भारत के कृषि क्षेत्र और दुनिया में अपनी मेहनत एवं परिश्रम से उन्होंने प्रतिष्ठा बढ़ाई है।

उन्होंने कहा कि आज सिख समाज एकजुट है। किसान एकजुट है। सभी PDA - प्रेम, दया और अपनापन - के साथ हैं। आज

लोकतंत्र और संविधान खतरे में है। इन्हें बचाने की जिम्मेदारी सिखों और किसानों पर है। यह सिख समाज की हैसियत और ताकत तथा संविधान और देश बचाने की लड़ाई है। उन्होंने कहा कि समाजवादी सरकार में ही किसानों का भला होगा। किसानों को इन सब संकटों से किसान को समाजवादी सरकार में ही मुक्ति मिलेगी। उन्होंने आश्वस्त किया कि सिख समाज को राजनीतिक सम्मान देंगे। इनकी जमीनें और खेत छीनने नहीं देंगे। जो बंदी हैं उनके लिए आवाज उठाएंगे। हम बंधुत्व का राष्ट्र बनाने का काम करेंगे।

इस अवसर पर डॉ. राममनोहर लोहिया सभागार "सत श्री अकाल" और "PDA जिंदाबाद" के नारों से गूंजता रहा। सिख समाज ने नारा दिया - "अखिलेश जी की सोच पर पहरा देंगे ठोक के।"

यात्रा संयोजक समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय सचिव श्री कुलदीप सिंह भुल्लर ने बताया कि यात्रा पीलीभीत से शुरू होकर लखीमपुर, बहराइच, शाहजहांपुर, बरेली, रामपुर, बिजनौर, मुजफ्फरनगर, मेरठ, अमरोहा, हापुड़, मुरादाबाद, सहारनपुर, सीतापुर, हरदोई, कानपुर होते हुए लखनऊ पहुंची।

अखिलेश को मुख्यमंत्री बनने का आशीर्वाद

बुलेटिन ब्यूरो

तपोभूमि विश्वकल्याण आश्रम कबीरधाम जिला लखीमपुर खीरी की संतमंडली ने 22 जून को संत श्री हरीश साहेब, ब्रह्मचारी जी महाराज के नेतृत्व में समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री अखिलेश यादव से पार्टी के राज्य मुख्यालय, लखनऊ में भेंट की।

संत मंडली में राजस्थान, रामपुर, छत्तीसगढ़ तथा बाराबंकी के साधु संत भी शामिल थे। संत श्री हरीश साहेब जी महाराज ने श्री अखिलेश यादव को 2027 के चुनाव में मुख्यमंत्री बनने का आशीर्वाद दिया। भेंटवार्ता के दौरान पूज्य संत श्री असंग देव जी महाराज से श्री अखिलेश यादव जी ने फोन पर वार्ता की। संतमंडली में सर्वश्री हरीश साहेब के साथ प्रवीण साहेब, शिलकर साहेब तथा नवीन साहेब भी शामिल रहे। भेंट के दौरान पूर्व कैबिनेट मंत्री श्री राजेन्द्र चौधरी भी मौजूद रहे।

वहीं, 23 जून को समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री अखिलेश यादव ने इमाम ईदगाह जनाब खालिद रशीद फिरंगीमहली से इस्लामिक सेंटर ऑफ इंडिया के कार्यालय लखनऊ में मुलाकात की। इस अवसर पर पूर्व कैबिनेट मंत्री श्री राजेन्द्र चौधरी भी मौजूद थे। मुलाकात के दौरान प्रदेश की वर्तमान राजनीतिक स्थिति पर चर्चा की गई।

आदिवासी समाज को उनका हक देंगे अखिलेश

बुलेटिन ब्यूरो

समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री अखिलेश यादव ने ऐलान किया है कि 2027 में बनने जा रही समाजवादी सरकार में आदिवासी समाज को उनका हक़ भी मिलेगा और सम्मान भी। श्री यादव ने भाजपा सरकार में आदिवासी समाज का अधिकार छीने जाने पर चिंता जताई।

24 जून को समाजवादी पार्टी के राज्य मुख्यालय में वीरांगना महारानी दुर्गावती के बलिदान दिवस पर आयोजित कार्यक्रम में श्री यादव ने आदिवासी समाज की तमाम समस्याओं का जिक्र किया और उनके समाधान के लिए 2027 में बनने वाली समाजवादी सरकार में ठोस निर्णय के प्रति आश्वस्त किया।

श्री यादव ने कहा कि भाजपा सरकार और उसके संगी साथियों ने आदिवासियों का हक छीना हैं। आदिवासियों के साथ बड़ी साजिश

की जा रही हैं। आदिवासियों के जल जंगल और जमीन पर कब्जा कर रहे हैं। उनकी परंपराओं को खत्म कर रहे हैं। उनको नौकरियों से वंचित कर रहे हैं। भाजपा सरकार ने 69000 शिक्षक भर्ती में आदिवासी समाज के किसी नौजवान को नौकरी नहीं दी।

श्री अखिलेश यादव ने कहा कि जल, जंगल और जमीन आदिवासियों का जन्मसिद्ध अधिकार है। समाजवादी सरकार आने पर उनके अधिकारों की रक्षा होगी। आदिवासी समाज को हर तरह की सुविधा दी जाएगी।

कार्यक्रम के बाद प्रेस कॉन्फ्रेंस में श्री अखिलेश यादव ने कहा कि कहा कि 2027 में समाजवादी पार्टी की सरकार में आदिवासी भाइयों और बहनों को उनकी आबादी के हिसाब से हक और सम्मान दिलाने का काम करेंगे। सामाजिक और राजनीतिक हर क्षेत्र में स्थान दिलाया जाएगा। समाजवादी पार्टी की सरकार में अधिकारी गांव-गांव जाकर खुद आदिवासी समाज के भाइयों-बहनों का प्रमाण पत्र बनाएंगे, उन्हें प्रमाण पत्र के लिए भटकना नहीं पड़ेगा।

आदिवासी समाज मांग करेगा तो उनके समाज में जो भी हत्याएं हुई हैं उनकी सीबीआई से जांच कराई जाएगी। जिन परिवारों की हत्याएं हुई हैं उनकी मदद की जाएगी। आदिवासी भाइयों-बहनों को लोहिया आवास के तहत पक्का मकान दिया जाएगा। अनुसूचित जनजाति के लिए अलग से आयोग बनाया जाएगा। अनुसूचित जनजाति, आदिवासी समाज के नौजवानों को दो फीसदी आरक्षण दिया जाएगा।

उन्होंने कहा कि अखिल भारतीय गोंड महासभा का लखनऊ में पीडीए भवन होगा। आदिवासियों की केजी से पीजी तक पढ़ाई मुफ्त होगी। आदिवासी समाज के छात्र-छात्राओं को लैपटॉप दिया जाएगा।

श्री अखिलेश यादव ने कहा कि भाजपा सरकार में आदिवासियों को वनवासी बना दिया गया। सरकार ने उनके जल, जमीन और जंगल को नुकसान पहुंचाया। भाजपा के लोगों ने अपने स्वार्थ में आदिवासियों की लाखों-लाख एकड़ जमीनों को अपने चहेतों को दे दिया। भाजपा की दस साल की सरकार में आदिवासियों के साथ बहुत अन्याय हो रहा है। समाजवादी पार्टी की सरकार में न्याय दिलाया जाएगा।

श्री यादव ने कहा कि पीडीए में 'ए' का मतलब आधी आबादी और अल्पसंख्यक के साथ आदिवासी भी है। 2027 में पीडीए अपनी सरकार बनाएगा। पीडीए सरकार में सामाजिक न्याय के राज की स्थापना की जाएगी।

मेधावी बेटियों का लैपटॉप देकर सम्मान

बुलेटिन ब्यूरो

समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री अखिलेश यादव मेधावी छात्र-छात्राओं का उत्साहवर्धन करने के लिए उन्हें लैपटॉप आदि डिजिटल सामग्री से लैस करने में जुटे हैं ताकि तकनीक का इस्तेमाल कर ये मेधावी छात्र-छात्राएं आगे बढ़ती रहें। उनका भविष्य उज्ज्वल हो।

5 जुलाई को श्री अखिलेश यादव ने गोरखपुर जनपद की मेधावी छात्राओं कुं कनिष्का फिलिप और सुश्री निया ट्रेसा जोसफ को लैपटॉप देकर सम्मानित किया तथा उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की। कनिष्का फिलिप गोरखपुर के सेंट जोसफ स्कूल की छात्रा हैं और हाईस्कूल परीक्षा में 97 प्रतिशत अंकों के साथ उसकी कालेज में 5वीं रैंक आई है। निया ट्रेसा जोसेफ इंटर कालेज खोराबार, गोरखपुर की छात्रा हैं और उन्हें इंटर की परीक्षा में 99.4 प्रतिशत अंक मिले हैं। वह कॉलेज की टापर सूची में हैं।

सेंट जोसेफ स्कूल, कालेज के प्रमुख श्री चर्चिल अधिकारी ने बताया कि दोनों छात्राएं क्रिश्चियन समाज से हैं। कनिष्का प्रोटेस्टेंट और निया ट्रेसा रोमन कैथोलिक क्रिश्चियन है। दोनों कालेज की मेधावी छात्राएं हैं।

6 जुलाई को श्री अखिलेश यादव ने राज्य मुख्यालय, लखनऊ में वर्ष 2026 में सीबीएसई और यूपी बोर्ड की हाईस्कूल और इंटरमीडिएट परीक्षाओं में जनपद गोरखपुर में प्रथम एवं द्वितीय स्थान प्राप्त मेधावी छात्र-छात्राओं को लैपटॉप देकर सम्मानित किया।

सीबीएसई की हाईस्कूल परीक्षा में गौरांश अग्रहरि को 98 प्रतिशत अंकों के साथ प्रथम तथा सर्वज्ञ मिश्रा को 98 प्रतिशत अंक के साथ द्वितीय तथा इंटरमीडिएट परीक्षा में प्रिंस सिंह को 96.80 प्रतिशत अंकों के साथ प्रथम तथा अनन्या त्रिपाठी को 92 प्रतिशत अंक के साथ द्वितीय स्थान मिला। ये सभी

छात्र-छात्रा जीएन नेशनल पब्लिक स्कूल, गोरखपुर के हैं।
यूपी बोर्ड की 2026 वार्षिक परीक्षा में हाईस्कूल में 95.67 प्रतिशत अंकों से दिव्या यादव को प्रथम और 95.00 प्रतिशत अंकों के साथ प्रिया चौहान को द्वितीय स्थान पाने पर सम्मानित किया गया।
दिव्या यादव संस्कार इंटर कॉलेज रिथुवाखोर पाली गोरखपुर तथा प्रिया चौहान यूएमवी सिधौरा बेलघाट गोरखपुर की छात्रा है। इंटरमीडिएट में कार्मेल गर्ल्स इंटर कालेज गोरखपुर की छात्रा आस्था दुबे को 92.80 प्रतिशत के अंक के साथ प्रथम स्थान तथा सुप्रिया शर्मा को 92.40 प्रतिशत अंक प्राप्त कर द्वितीय स्थान मिला है।
श्री अखिलेश यादव ने इन सभी मेधावी छात्र-छात्राओं को लैपटॉप देते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की और जीवन में सफलता के लिए आशीर्वाद दिया।

दलित छात्रा की हत्या मामले में परिवार के साथ अखिलेश

बुलेटिन ब्यूरो

समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री अखिलेश यादव ने मेरठ में हुई दलित छात्रा ललिता गौतम की हत्या के मामले में पीड़ित परिवारीजनों से 11 जुलाई को मुलाकात की और न्याय की इस लड़ाई में साथ खड़े रहने का आश्वासन दिया। उन्होंने कहा कि भाजपा सरकार पीड़ित परिवार की हर मांग पूरी करे, मृतक बेटी को न्याय मिले।
श्री अखिलेश यादव ने कहा कि मेरठ की बेटी के साथ हुए महा-अत्याचार व हत्या के बाद जिस तरह नामजद आरोपियों पर कमजोर धाराओं में मुकदमा दर्ज किया गया है और आंदोलनकारियों पर गंभीर धाराओं में मुकदमा लगाया गया है, वह नाइंसाफी की पराकाष्ठा है।
इससे भी अधिक गंभीर बात यह है कि जिस पुलिस से न्याय की उम्मीद होती है, उनके ही उच्चाधिकारी अन्याय और अपने अहंकार के अनवरत थप्पड़ आम जनता के गाल पर मार रहे हैं।
पूरी दुनिया में फैल चुका वीडियो उत्तर प्रदेश की पुलिस की छवि को खंडित कर रहा है। इससे वे पुलिसकर्मी भी शर्मिंदा हैं जो अपनी कर्तव्यपरायणता और आम जनता के प्रति संवेदनशील हैं और सदैव मानवीय दृष्टिकोण से अपना काम करते हैं।
श्री अखिलेश यादव ने कहा कि पीडीए अब सहेगा नहीं बल्कि कहेगा। सच तो यह है कि जिस राज्य का मुखिया ही महिलाओं के साथ, विशेष रूप से एक युवा मृतक की शोक-संतप्त मां से सरेआम अभद्रता का वाचन करे, उसकी पुलिस से कोई भी उम्मीद करना बेमानी है। मस्तिष्क का आदेश ही, उंगलियां मानती हैं। अब जनता भाजपाइयों का भाषण सुनने के मूड में नहीं है।
श्री अखिलेश यादव ने कहा कि जब वे खुद ही बेलगाम हैं जिसके हाथ में लगाम है, तो फिर उनका क्या, जो उनके दरबार में दरबान है।

महारानी दुर्गावती की दिखाई राह आज भी दे रही प्रेरणा

बुलेटिन ब्यूरो

समाजवादी पार्टी के राज्य मुख्यालय लखनऊ में 24 जून को गोंड वीरांगना महारानी दुर्गावती का 463वां बलिदान दिवस सादगी से मनाया गया। समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री अखिलेश यादव ने महारानी दुर्गावती के चित्र पर माल्यार्पण कर नमन किया।

श्री अखिलेश यादव ने कहा कि महारानी दुर्गावती ने अपने गढ़मंडला वर्तमान में जबलपुर राज्य की स्वतंत्रता और अस्मिता की रक्षा के लिए अद्भुत शौर्य एवं साहस का परिचय दिया था। उन्होंने 16 वर्षों तक शासन किया और तमाम मठ, मंदिर, कुंआ, बावड़ी, धर्मशालाओं का भी निर्माण कराया।

श्री यादव ने कहा कि 16वीं शताब्दी में नारी वाहिनी नाम से एक महिला सेना टुकड़ी का भी महारानी दुर्गावती ने गठन किया था। वीरांगना दुर्गावती का बलिदान भारतीय नारी के शौर्य, स्वाभिमान, और देशभक्ति की अमर मिसाल है। उन्होंने समाज को जो दिशा दी, वह आज भी हमें प्रेरणा दे रही है।

श्री यादव ने कहा कि पीडीए के 'ए' में आदिवासी समाज सम्मिलित हैं। हम वीरांगना दुर्गावती के वंशजों का सम्मान करेंगे। राजधानी लखनऊ के गोमती रिवरफ्रंट पर समाजवादी सरकार में महारानी दुर्गावती की सोने की प्रतिमा लगाएंगे।

श्री अखिलेश यादव ने कहा कि समाजवादी सरकार बनने पर अनुसूचित जनजाति आयोग का गठन होगा। पीडीए भवन, हॉस्टल भी बनाएंगे। जातीय जनगणना के आधार पर आदिवासियों को हक और सम्मान दिया जाएगा।

आदिवासी समाज के वक्ताओं ने कहा कि भाजपा सरकार ने आदिवासी गोंड समाज को धोखा दिया है। इस समाज का खूब शोषण हुआ है। 2027 में श्री अखिलेश यादव जी को पुनः मुख्यमंत्री बनाने के लिए गोंड आदिवासी समाज एक-एक वोट समाजवादी पार्टी को देगा।

मध्य प्रदेश के आदिवासी नेता महिपाल सिंह मकरानी ने पीडीए से जुड़ने का वायदा किया।

ऊदा देवी: मातृभूमि के प्रति समर्पण की मिसाल

स्वतंत्रता सेनानी वीरांगना ऊदा देवी की 196वीं जयंती 30 जून को समाजवादी पार्टी के राज्य मुख्यालय लखनऊ में सादगी से मनाई गई। समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री अखिलेश यादव की ओर से राष्ट्रीय सचिव श्री राजेन्द्र चौधरी ने ऊदा देवी जी के चित्र पर माल्यार्पण किया।

श्री अखिलेश यादव का मानना है कि ऊदा देवी अपने अदम्य साहस एवं मातृभूमि के प्रति समर्पण की स्वयं मिसाल रही हैं। 1857 के प्रथम स्वतंत्रता संग्राम में ऊदा देवी ने अद्भुत शौर्य का प्रदर्शन किया था। सिकंदरबाग, लखनऊ में उन्होंने अकेले 36 अंग्रेज सैनिकों को मौत के घाट उतारा था और जीते जी अंग्रेजी फौज को शहर में घुसने नहीं दिया था। उनकी वीरता को अंग्रेज सेनापति ने भी सलाम किया था।

सपा के लखनऊ महानगर कार्यालय पर भी वीरांगना ऊदा देवी पासी की जयंती का आयोजन कर उनके चित्र पर माल्यार्पण कर श्रद्धा सुमन अर्पित किया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता महानगर अध्यक्ष फाखिर सिद्दीकी ने की।

याद किए गए रामशरण दास गुर्जर

समाजवादी पार्टी के संस्थापक प्रदेश अध्यक्ष श्री रामशरण दास गुर्जर की 99वीं जयंती 3 जुलाई को पार्टी के राज्य मुख्यालय, लखनऊ में श्रद्धापूर्वक मनाई गई। समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री अखिलेश यादव ने उनके चित्र पर माल्यार्पण कर नमन किया।

इस अवसर पर श्री अखिलेश यादव ने कहा कि श्री रामशरण दास ने आजीवन समाजवादी विचारधारा और पार्टी को मजबूत करने का काम किया। वह बेहद कर्मठ और निष्ठावान नेता थे। नेताजी के साथ हर संघर्ष के साथी थे और पार्टी को आगे बढ़ाने में साथ दिया।

वह कार्यकर्ताओं के बीच बहुत लोकप्रिय थे। श्री रामशरण दास आजीवन समाजवादी पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष रहे। वह प्रदेश सरकार में कैबिनेट मंत्री, दो बार विधानसभा सदस्य, 4 बार विधान परिषद सदस्य के अतिरिक्त योजना आयोग के उपाध्यक्ष एवं उत्तर प्रदेश उपभोक्ता सहकारी संघ के अध्यक्ष जैसे महत्वपूर्ण पदों पर रहे थे।

इस अवसर पर सर्वश्री सांसद देवेश शाक्य, सांसद रूचि वीरा, विधायक अजीत कठेरिया, पूर्व विधायक मुनीन्द्र शुक्ला, पूर्व विधायक प्रभु दयाल बाल्मीकि, मनोज चौधरी, राजेश प्रताप राव बंटी, नाहिद लारी, चौधरी संजीव गुर्जर, विपिन त्यागी समेत तमाम नेताओं व कार्यकर्ताओं ने भी श्री राम शरण दास के चित्र पर पुष्पांजलि अर्पित कर उन्हें नमन किया।

साफ़ और बेबाक

Akhilesh Yadav
@yadavakhilesh

Socialist Leader of India | President @samajwadiparty | Member of Parliament, Kannauj | Former Chief Minister, Uttar Pradesh

Lucknow, India samajwadiparty.in Joined July 2009

Akhilesh Yadav @yadavakhilesh

Show translation

मुद्दे पर रहें, ध्यान न भटकाएं।

Akhilesh Yadav @yadavakhilesh

Show translation

मीडिया से तो मुँह छिपा लेंगे, भाजपाई जनता के बीच किस मुँह को लेकर जाएंगे?

Akhilesh Yadav @yadavakhilesh

Show translation

अध्यक्ष बनने के बाद पहली बार आएं हैं, 'दर्शन' करने नहीं जाएंगे?

Akhilesh Yadav @yadava... • 04 Jul

आख़िरकार सुरंगजीवियों को बाहर आना ही पड़ा क्योंकि अब अपयश का पानी सुरंग में गले तक भर गया है। फिर भी 140 करोड़ देशवासी और दुनियाभर के चंदा-दान देनेवाले सनातनी पूछ रहे हैं कि हर काम में आगे रहनेवाले, इस घोर-गंभीर मसले पर ख़ुद सामने क्यों नहीं आए, अपने से पीछेवाले को आगे क्यों कर दिया, क्या इसमें भी ये सोचकर साज़िश की गई है कि 'महापाप' के दोष और जनाक्रोश से ख़ुद को बचा लो और दूसरे को फँसाकर उससे सफ़ाई दिलवा दो। जो षड्यंत्रजीवी रहे हैं अब तो वो आपस में भी एक-दूसरे की मुख़बिरी कर रहे हैं। बँटवारे की लड़ाई सारे राज़ खोल देगी।

जो शातिर सेंध लगाकर, बोरी भरकर सुरंग के रास्ते बहुत दूर निकल गये हैं, वो 'असली पापी' याद रखें जहाँ भूमिगत मार्ग ख़त्म होगा, उस अगले छोर पर 'सत्य' उनके पापों की सज़ा देने के लिए प्रतीक्षा कर रहा है।

इन्हें न अयोध्या क्षमा करेगा, न देश, न वो परम प्रभु, जिसके ख़ज़ाने को इन्होंने बेरहमी, बेदर्दी और बेशर्मी से लूटा है।

Akhilesh Yadav @yadavakhi... • 6d

"जो सनातन है, वही समाजवाद है!"

Akhilesh Yadav @yadavakhilesh

Show translation

आज प्रातः काल पूज्य शंकराचार्य जी के दर्शन एवं आशीर्वाद के सौभाग्यशाली क्षण और सनातन पर आए संकट को दूर करने व अधर्मियों के चंगुल से धर्म को मुक्ति दिलाने के लिए सार्थक वार्ता।

Akhilesh Yadav @yadavakhi... • 6d

ये अजीब दलील है कि चोर को कोई कुछ न बोले लेकिन चोरी पकड़नेवालों को नसीहत दे। चोरों से इतनी सहानुभूति का कोई तो कारण होगा या कोई राजनीतिक मजबूरी।

Akhilesh Yadav @yadav... • 30 Jun

वनस्पति मारे मति!

अपने मन के रंग का चश्मा लगाकर नहीं आए होते तो शायद अपने चिराग़ तले का काला अंधेरा देख पाते। लोग पूछ रहे हैं इतनी बार जाते क्यों थे क्या इनको भी लगता है कि ये स्पष्टीकरण 'उल्लेखनीय' नहीं है। बात न भटकाएं, मुद्दे पर रहें। हिसाब तो देना ही पड़ेगा, यहाँ का भी और अपने वहाँ का भी। बात निकली है तो दूर तलक जाएगी... अभी तो इसमें दीये, तेल, बाती के हिसाब-किताब की बात भी आएगी।

Akhilesh Yadav @yadavakhi... • 5d

देवरिया में भाजपा के वर्चस्ववादियों द्वारा पीडीए समाज के एक युवक राजू विश्वकर्मा की गला रेत कर निर्मम हत्या कर दिये जाने व उसको बचाने गए अन्य 6 परिजनों पर जानलेवा हमले का समाचार बेहद निंदनीय है। इस हमले में 4 लोग गंभीर रूप से घायल हैं।

सपा नेता व प्रवक्ता इंजीनियर संदीप विश्वकर्मा जब पीड़ित परिवार से मिलने पहुंचे तो भाजपा सरकार के प्रश्रय प्राप्त प्रभुत्ववादियों ने प्रशासन के सामने अभद्रता करते हुए, उन्हें जान से मारने की धमकी दी है।

पीडीए समाज पर लगातार बढ़ते जा रहे हमले, बेहद चिंतनीय एवं निंदनीय हैं।

नाकाम सरकार में यदि अंश मात्र भी लोक-लाज है तो कार्रवाई करे अन्यथा स्वीकार कर ले कि वो अत्याचारी भी है और अन्यायी भी।

Akhilesh Yadav @yadavakhi... • 2d

ये गोरखपुर है : मुख्यनगरी, स्मार्ट सिटी।

जब तक 'भाजपा' का राज
छोड़ो कार, रखो नाव तैयार

Akhilesh Yadav @yadavakhilesh

Show translation

जहाँ हो रही ज़मीन-क़ब्ज़ाई
वहाँ निकलेगा एक भाजपाई

₹50 करोड़ की 70 बिस्वा जमीन हड़पने में भाजपा जिला उपाध्यक्ष सहित 10 पर प्राथमिकी

गंगापुर के तत्कालीन उपनिबंधक अनिल कुमार और लिपिक सत्यांश सिंह भी आरोपी बनाए गए

Following

Akhilesh Yadav
@yadavakhilesh

Show translation

जो जन हित के लिए संघर्ष करेगा, वही बढ़ेगा!

Akhilesh Yadav @yadavakhi... · 4d

क्या ये पुल 'विश्वगुरु' के गंतव्य को जोड़ता है?

Akhilesh Yadav
@yadavakhilesh

Show translation

पहले भाजपा के कुकृत्यों से अयोध्या पानी-पानी हो गया और अब भाजपा सरकार की अव्यवस्था के कारण।

ये है अयोध्या के अंतरराष्ट्रीय स्तर के विकास का दावा।

Akhilesh Yadav
@yadavakhilesh

Show translation

भाजपा राज में पुलिस अन्याय का रिकॉर्ड तोड़ रही है। मेरठ में दलित समाज की बेटी ललिता गौतम के लिए न्याय की आवाज़ उठाने पर प्रशासन द्वारा पीड़ित परिवार सहित अन्य लोगों पर किया प्रहार और लाठी चार्ज बेहद निंदनीय है।

जब प्रदेश-प्रमुख ही सरेआम एक मृतक की माँ के साथ असंवेदनशील होने का उदाहरण प्रस्तुत करेंगे तो उनकी पुलिस से कोई उम्मीद करना बेमानी है।

घोर निंदनीय!

Akhilesh Yadav @yadavakhi... · 3d

बहुत बुरी लग गई, जब बात ख़ुद पर आई
पर जब औरों पर कही, तो न हुई कार्रवाई

काश उनके साथ भी ऐसा ही होता जो विपक्ष पर आपत्तिजनक टिप्पणी करते हैं और सरासर झूठे आरोप लगाते हैं।

पक्षपात अन्याय का ही एक रूप है।

Akhilesh Yadav
@yadavakhilesh

'हाता नहीं भाता' का नया संस्करण!

#CC_to_CC

Akhilesh Yadav @yadavakhi... · 5d

आगरा के फतेहपुर सीकरी स्थित विश्व प्रसिद्ध शेख सलीम चिश्ती दरगाह के सज्जादानशीं जनाब अयाज़ुद्दीन फरीदी चिश्ती उर्फ़ रईस मियां साहब का इंतकाल, अत्यंत दुखद!

दिवंगत आत्मा को शांति दें भगवान।

शोकाकुल परिजनों को यह असीम दुःख सहने का संबल प्राप्त हो।

भावभीनी श्रद्धांजलि!

Akhilesh Yadav @yadavakhi... · 6d

बदायूं के सहसवान से कई बार के विधायक, पूर्व मंत्री श्री ओमकार सिंह यादव जी का निधन, अत्यंत दुःखद !

ईश्वर उनकी आत्मा को शांति दे, शोक संतप्त परिजनों के प्रति गहरी संवेदनाएं।

भावभीनी श्रद्धांजलि !

Akhilesh Yadav
@yadavakhilesh

Show translation

जल्दी लाइए क्योंकि आपकी बनाई सड़के चलने योग्य नहीं हैं।

'पीडीए प्रसार समाजवादी पार्टी सदस्यता अभियान' का शुभारंभ!

आज 1 जुलाई 2026 से समाजवादी पार्टी के नये सदस्यता अभियान की शुरुआत हो रही है, जिसमें समाजवादी पार्टी के App के माध्यम से 'ऑनलाइन' सदस्यता ग्रहण की जा सकेगी। ये एक अनवरत अभियान है जो हर **'पीड़ित, दुखी, अपमानित'** को हमारे समाजवादी मूल्यों से जोड़ेगा और **'पीडीए परिवार'** को सशक्त करेगा।

प्रदेश-देश के सभी जागरूक नागरिकों से हमारा आग्रह है कि इस ऐप के माध्यम से घर-बैठे आप स्वयं तो सदस्य बनें ही साथ ही और लोगों को भी सदस्य बनने के लिए प्रेरित करें और अन्य लोगों की सदस्य बनने में मदद भी करें। प्रदेश-देश के युवाओं से हमारी विशेष अपील है कि वो अपने उज्ज्वल भविष्य के लिए सदस्यता ग्रहण करें और अपने परिवार और अन्य परिजनों को भी प्रेरित करें।

नये सदस्य **'संपर्क, संवाद और सहायता'** के माध्यम से समाजवादी पार्टी के सिद्धांतों और संकल्पों का प्रचार-प्रसार करेंगे और हमें **'प्रेम, दया और अपनापन'** से संपन्न एकता की वो **'सकारात्मक शक्ति'** भी प्रदान करेंगे जो **'सामाजिक न्याय का राज'** लाने और देश को **'बंधुराष्ट्र'** बनाने के हमारे परम लक्ष्य की प्राप्ति को सुनिश्चित करेगी।

साभार: X@yadavakhilesh

समाजवादी पार्टी
/samajwadiparty
www.samajwadiparty.in

QR कोड स्कैन करें और व्हाट्स-एप चैनल से जुड़ें
/Akhilesh Yadav /Samajwadi Party